UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

वर्ष-14 अंक-245 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) मंगलवार 18 अगस्त 2026 youngbharatE-

मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में जापान से निवेश की बड़ी छलांग लगाएगा यूपी, 200 से अधिक जापानी दिग्गज तलाशेंगे अवसर

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ, 17 अगस्त। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख औद्योगिक और वैश्विक निवेश केंद्र बनाने के अभियान को जापान के साथ आर्थिक साझेदारी से नई रफ्तार मिलने जा रही है।

18 से 23 अगस्त तक उत्तर प्रदेश और दिल्ली में आयोजित होने वाले 'यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट 2026' में जापान के 200 से अधिक प्रमुख उद्योगपति, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), कारोबारी प्रतिनिधि और नीति-निर्माता भाग लेंगे। पांच दिवसीय निवेश सम्मेलन के माध्यम से योगी सरकार की कोशिश जापानी कंपनियों की कारोबारी रुचि को ठोस निवेश, तकनीकी हस्तांतरण, संयुक्त परियोजनाओं और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन में बदलने की होगी। जापान के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व यमानाशी प्रीफेक्चर के गवर्नर कोटारो नागासाकी करेंगे। प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के साथ मैन्युफैक्चरिंग, क्लीन एवं ग्रीन एनर्जी, सेमीकंडक्टर, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, कौशल विकास और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प के लिहाज से इस आयोजन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जापानी प्रतिनिधिमंडल का 18 अगस्त को नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वागत करेंगे। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश और जापान के बीच निवेश तथा तकनीकी सहयोग को आगे बढ़ाने वाले पांच दिवसीय कार्यक्रम का क्रम शुरू होगा। इन्वेस्ट यूपी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जापानी कंपनियों के प्रतिनिधियों को केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, भारतीय उद्योग जगत तथा शिक्षण संस्थानों के साथ सीधे संवाद का अवसर मिलेगा। दिल्ली के साथ लखनऊ, आगरा, ग्रेटर नोएडा और वाराणसी में अलग-अलग सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनके जरिए विभिन्न क्षेत्रों में निवेश, संयुक्त उद्यम और तकनीकी साझेदारी की संभावनाओं को ठोस परियोजनाओं में बदलने की दिशा में काम किया जाएगा। योगी सरकार की कोशिश इस रणनीतिक जुड़ाव के माध्यम से जापान के साथ उत्तर प्रदेश की आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाई देने की है। निवेश के साथ अत्याधुनिक तकनीक, संयुक्त उद्यम और रोजगार इस पूरी पहल के केंद्र में होंगे। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए एक अग्रणी और पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। कार्यक्रम के तहत 19 अगस्त को नई दिल्ली के ताज पैलेस में हाई-लेवल सीईओ राउंडटेबल और उद्घाटन सत्र आयोजित होगा। इसमें केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस मंच पर सरकार और उद्योग जगत के शीर्ष प्रतिनिधियों के बीच निवेश के नए क्षेत्रों, आधुनिक तकनीक, औद्योगिक सहयोग और भविष्य की परियोजनाओं को लेकर मंथन होगा। यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट का मुख्य राज्य स्तरीय निवेश सम्मेलन 21 अगस्त को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होगा। इसमें गवर्नमेंट-टू-बिजनेस (त्र2क्क) और बिजनेस-टू-बिजनेस मैचमेकिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों की खासियत यह होगी कि जापानी निवेशक राज्य सरकार के प्रतिनिधियों और भारतीय कारोबारी समूहों के साथ सीधे संवाद कर सकेंगे। संभावित परियोजनाओं, साझेदारी, निवेश और उनके क्रियान्वयन की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा होगी। सम्मेलन में जापानी उद्योग जगत से जुड़े कई बड़े नामों के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल होंगे। इनमें जेट्रो, एस्कॉर्ट्स कुबोटा, कुबोटा कॉर्पोरेशन जापान, तोशिबा इंडिया, मदरसन ग्रुप, सेतोलास एशिया, होंडा ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन इंडिया, डाइकिन एयरकंडीशनिंग इंडिया, सुमितोमो कॉर्पोरेशन इंडिया, स्पार्क मिंडा टोयो डेंसो और पैनासोनिक जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इन कंपनियों के प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश में अपनी गतिविधियों के विस्तार के साथ निवेश और तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करेंगे। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण एस्कॉर्ट्स कुबोटा और मिंडा कॉरपोरेशन की परियोजनाओं की वर्चुअल ग्राउंड-ब्रेकिंग सेरेमनी होगी। इसके माध्यम से निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की दिशा में हुई प्रगति को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

नितिन नवीन की टीम में यूपी से कटा इनका पत्ता, देखें पूरी लिस्ट

(यंग भारत न्यूज)

बीजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम का ऐलान हो गया है. बीजेपी की नई टीम में 65 नेताओं को शामिल किया गया है, जिसमें से यूपी से 8 नेताओं को जगह मिली है, जिसमें तीन महिलाओं का नाम है. वहीं यूपी के कई नेता ऐसे भी हैं जो पहले बीजेपी की राष्ट्रीय टीम में शामिल थे लेकिन अब उनका नाम इस लिस्ट में नहीं है. नितिन नवीन की नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं, जिसमें यूपी से रेखा वर्मा और तारिक मंसूर का नाम है. वहीं पिछली टीम में इस पद के लिए 3 चेहरे थे, जिसमें इन दोंनो के अलावा लक्ष्मीकांत वाजपेई भी थे जिन्हें इस बार मौका नहीं मिला है. इसके साथ ही राष्ट्रीय महासचिव 8 बने हैं, इसमें भी यूपी से दो लोग हैं स्मृति ईरानी और हरीश द्विवेदी, पिछली टीम में एक चेहरा राधामोहन दास अग्रवाल का था जिन्हें इस बार टीम में शामिल नहीं किया गया है. इसके अलावा राष्ट्रीय सचिव के तौर नई टीम में यूपी से दो लोगों को मौका मिला है, जिसमें बीजेपी सांसद भोला सिंह और संगीता यादव का नाम है. पिछली टीम में सुरेंद्र नागर शामिल थे, जिन्हें इस बार टीम में जगह नहीं मिली है. इसके अलावा ओबीसी मोर्चा का अध्यक्ष इस बार यूपी से अमरपाल मौर्य को बनाया गया है और कुंवर बासित अली को क्ख्क्क अल्पसंख्यक मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष है.

नितिन नवीन की नई टीम में यूपी के इन नेताओं का नाम

प्रो. तारिक मंसूर- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

रेखा वर्मा- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

स्मृति ईरानी- राष्ट्रीय महामंत्री

हरीश द्विवेदी- राष्ट्रीय महामंत्री

डॉ. भोला सिंह- राष्ट्रीय मंत्री

संगीता यादव- राष्ट्रीय मंत्री

अमरपाल मौर्य-ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष

कुंवर बासित अली- अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष

बता दें कि बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम में यूपी विधानसभा चुनाव 2027 का खास ध्यान रखा गया है और इसलिए यूपी से अधिक नेताओं को रखा गया है. इसमें मुस्लिम समीकरण को भी साधने की कोशिश की गई है और कुर्मी वोट वैंक और यादव वोट बैंक का भी खास ध्यान रखा गया है

भाजपा की राष्ट्रीय टीम में उप्र का दबदबा, हरीश-स्मृति महासचिव और अमरपाल ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ, 17 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन द्वारा आज दिल्ली में घोषित की गयी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति में उत्तर प्रदेश का दबदबा है। यहां से आठ नेताओं को राष्ट्रीय टीम में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गयी है।

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी और राहुल गांधी को अमेठी में शिकस्त देने वाली स्मृति ईरानी को महामंत्री बनाया गया है। राज्यसभा सांसद अमर पाल मौर्या को ओबीसी मोर्चा और कुंवर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। उप्र से ही राष्ट्रीय मंत्री पद पर सांसद डॉ. भोला सिंह, संगीता यादव और उपाध्यक्ष पद पर रेखा वर्मा व तारिक मंसूर को नियुक्त किया गया है। ये सभी चेहरे अपने अपने क्षेत्र के जाने पहचाने चेहरे हैं।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक बनाने में जुटी भाजपा की नयी राष्ट्रीय कार्यसमिति में उप्र के अनुभवी, युवा, महिला और समाज के सभी वर्गों में स्वीकार्य नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गयी हैं। इनमें बस्ती से दो बार सांसद रहे और वर्तमान में राजस्थान नगरीय निकाय चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी को राष्ट्रीय महासचिव की

जिम्मदारी दी गयी है। इन्होंने अपने गांव की संघ की शाखा और विद्यार्थी परिषद से सामाजिक जीवन की शुरुआत की। वर्ष 1990 से 1992 तक अपने ग्राम सभा की संघ शाखा में मुख्य शिक्षक के रूप में कार्य किया। 1991 से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संपर्क में आये और लंबे समय तक संगठनमंत्री समेत विभिन्न पदों पर कार्य किया।

हरीश द्विवेदी 2005 से 2007 तक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष केशरीनाथ त्रिपाठी के राजनीतिक सलाहकार रहे। इस दौरान वह 2005 से 2007 तक भाजयुमो के प्रदेश महामंत्री भी रहे, 2007 से 2010 तक भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष रहे 2010 से 2013 तक भाजयुमो की यूपी इकाई के प्रदेश अध्यक्ष रहे। उन्होंने भाजयुमो द्वारा सक्रिय रूप से तिरंगा यात्रा में भाग लिया था। 2012 के विधानसभा चुनाव में उन्हें बस्ती सदर विधान सभा क्षेत्र से टिकट मिला, 2013 से अब तक वह भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य के रूप में काम कर रहे हैं। हरीश वर्ष 2014 व 2019 के आम चुनावों में भाजपा प्रत्याशी के रूप में बस्ती संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। विभिन्न संसदीय समितियों जैसे- ऊर्जा, सूचना और प्रौद्योगिकी, वित्त, प्राकलन व याचिका संबंधी स्थायी समिति के सदस्य हैं/ रह चुके हैं। भाजपा की राष्ट्रीय टीम में राष्ट्रीय मंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्व का भी निर्वहन कर चुके हैं। बिहार जैसे महत्त्वपूर्ण प्रदेश सह प्रभारी भी रहे हैं। हाल ही पार्टी ने राजस्थान जैसे बड़े राज्य के स्थानीय निकाय चुनाव का प्रभारी बनाया है। उत्तर प्रदेश के अमेठी संसदीय सीट से राहुल गांधी को हराने वाली पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी को महासचिव बनाया गया है। भारतीय राजनीति में एक बड़ा चेहरा हैं और उनकी सक्रियता व वाकपटुता से गांधी परिवार हमेशा परेशान रहता है। हालांकि वर्ष 2024 के चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पडा लेकिन इसके बावजूद वह अमेठी में अपनी सक्रियता बनाए हुए हैं और कार्यकर्ताओं की मजबूती टीम तैयार की हैं। जानकारों का मानन है कि तेज तर्रार महिला नेत्री के रूप में उनकी यह पारी उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में जीत दिलाने में कारगर साबित हो सकती है।

राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य को अन्य पिछडा वर्ग मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। इसके पहले वे उत्तर प्रदेश भाजपा इकाई में महत्वपूर्ण पद पर रह चुके हैं। माना जाता है कि पिछड़ा वर्ग के मतदाताओं में इनकी अच्छी पैठ का लाभ उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मिलेगा। इसी प्रकार पूर्व सांसद रेखा वर्मा और उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य प्रोफेसर तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गयी है। रेखा वर्मा लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय टीम में स्थान बनाने में कामयाब हुई हैं। जबकि अनुसूचित जाति के बड़े चेहरे और बुलंदशहर से सांसद डॉ भोला सिंह और पूर्वांचल की नेत्री संगीता यादव को राष्ट्रीय मंत्री पद पर नियुक्त किया गया है। संगीता यादव वर्तमान में उप्र से राज्यसभा सांसद हैं।

क्या प्रशिक्षु आईएएस रिंकू सिंह के साथ 'बड़े पदों पर बैठे अधिकारियों' द्वारा लगातार करवाई जा रही हैं बदमाशियां

- » **एडिटेड वीडियो वायरल कर छवि धूमिल करने का आरोप, एसडीएम रिन्कू सिंह राही ने उरई कोतवाली में दी तहरीर**
- » **षड्यंत्र, मानहानि और शासकीय कार्य में बाधा डालने का लगाया आरोप**
- » **15 अगस्त के संबोधन के मूल वीडियो से छेड़छाड़ कर अंश वायरल करने का दावा**

(प्रधान सम्पादक)
(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन), 17 अगस्त। संयुक्त मजिस्ट्रेट जालौन/उप जिलाधिकारी (न्यायिक), उरई रिन्कू सिंह राही आईएएस ने कथित रूप से एडिटेड वीडियो वायरल कर उनकी सामाजिक एवं प्रशासनिक छवि धूमिल करने, शासकीय कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा डालने तथा उनके विरुद्ध सुनियोजित षड्यंत्र किए जाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में उन्होंने सोमवार को थाना उरई में प्रार्थना पत्र देकर संबंधित लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

थानाध्यक्ष को दिए प्रार्थना पत्र में एसडीएम रिन्कू सिंह राही ने स्वयं को वर्तमान में संयुक्त मजिस्ट्रेट जालौन/उप जिलाधिकारी (न्यायिक), उरई के पद पर कार्यरत बताते हुए कहा है कि जनपद में कुछ उच्चाधिकारियों के निर्देशन में असामाजिक

तत्वों द्वारा उनके विरुद्ध कथित रूप से सुनियोजित षड्यंत्र किया जा रहा है। उनका आरोप है कि इस षड्यंत्र का उद्देश्य उन पर अनुचित दबाव बनाकर शासकीय दायित्वों के निर्वहन में रुकावट पैदा करना है। प्रार्थना पत्र में उन्होंने अपनी पूर्व तैनाती का भी उल्लेख किया है। एसडीएम के अनुसार, पूर्व तैनाती के दौरान उन्होंने नियमानुसार अवैध रूप से संचालित कोल्ड स्टोरेज की जांच, नजूल भूमि पर कथित अवैध कब्जों के विरुद्ध कार्रवाई, अवैध निर्माण रोकने तथा अवैध खनन पर कार्रवाई जैसे कार्य किए थे। उनका आरोप है कि इन कार्यों में बाधा डालने के लिए उनके खिलाफ कूटरचित वीडियो प्रसारित किए गए और विभिन्न स्तरों पर दुर्भावनापूर्ण शिकायतें कराकर उनकी छवि प्रभावित करने का प्रयास किया गया। एसडीएम ने आरोप लगाया कि पूर्व में भी इस प्रकार की गतिविधियों के कारण उन्हें मानसिक एवं सामाजिक रूप से प्रताड़ित करने का प्रयास किया गया तथा उनके शासकीय कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा उत्पन्न हुई। प्रार्थना पत्र में उन्होंने यह भी दावा किया है कि पूर्व में उन्हें पद से स्थानांतरण का सामना करना पड़ा था। वर्तमान मामले के संबंध में एसडीएम ने बताया कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उनके अनुसार कार्यक्रम में जिलाधिकारी की मौजूदगी में कलेक्ट्रेट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच उन्हें संबोधन के लिए निर्देशित किया गया था। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान उनके संबोधन की विषय-वस्तु को लेकर किसी उच्चाधिकारी द्वारा तत्काल कोई आपत्ति नहीं जताई गई थी। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि बाद में उनके संबोधन के मूल वीडियो में से चुनिंदा अंशों को काट-छांटकर अलग किया गया और ऐसे अंशों को संदर्भ से हटाकर सोशल मीडिया तथा अन्य मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रसारित किया गया, जिससे उनकी सामाजिक और प्रशासनिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। एसडीएम ने विशेष रूप से कहा है कि संबोधन में शहीद भगत सिंह के बलिदान को उदाहरण के तौर पर लेने वाले अंश को कथित रूप से संदर्भ से अलग कर प्रस्तुत किया गया। उन्होंने पुलिस से वायरल किए गए वीडियो के मूल स्रोत का पता लगाने, उसे प्रसारित करने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स और अन्य माध्यमों की जांच करने तथा कथित षड्यंत्र में शामिल लोगों की भूमिका का पता लगाने की मांग की है। प्रार्थना पत्र में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया गया है। एसडीएम ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित कराए जाने की मांग भी की है। साथ ही कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा वीडियो रिकॉर्ड करने वाले लोगों के पास उपलब्ध मूल रिकॉर्डिंग प्राप्त कर उसे जांच का हिस्सा बनाने को कहा है, ताकि पूरे संबोधन का वास्तविक संदर्भ सामने आ सके। प्रार्थना पत्र में एसडीएम ने यह भी कहा है कि यदि जांच के दौरान शहीद भगत सिंह अथवा अन्य विषयों को लेकर उनके विरुद्ध लगाए जा रहे आरोप सही पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध भी नियमानुसार

- » **कलेक्ट्रेट की सीसीटीवी फुटेज और मूल रिकॉर्डिंग की जांच कराने की मांग**
- » **वीडियो वायरल करने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स और अन्य स्रोतों की कार्यवाही व जांच की मांग**

दंडात्मक कार्रवाई की जाए। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक दोषियों को चिन्हित करने और कानून के अनुसार कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। एसडीएम की ओर से पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र के बाद अब पूरे मामले में पुलिस जांच और वायरल वीडियो के मूल स्रोत तथा उसकी वास्तविकता की जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

कालपी में पैतृक मकान का ताला तोड़कर कब्जे का आरोप, पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल

112 पर सूचना देने के बावजूद नहीं रुका कथित कब्जे का प्रयास, पीड़ित ने तहसील के संपूर्ण समाधान दिवस में लगाई गुहार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। कालपी नगर में पैतृक मकान पर कथित अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। मोहल्ला राम चबूतरा निवासी नवीन शर्मा पुत्र रमेश शर्मा ने तहसील कालपी के संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायती पत्र देकर पैतृक मकान पर जबरन कब्जा किए जाने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर मकान को कब्जे से बचाने की मांग की है।

शिकायती पत्र के अनुसार, मोहल्ला उदनपुरा में स्थित पैतृक मकान में कोई व्यक्ति निवास नहीं करता, जिसके चलते मकान बंद रहता है। आरोप है कि 13 अगस्त की रात करीब 11:11 बजे आनंद कुमार पुत्र विश्वनाथ, संगीता पत्नी किशन, निवासी ग्राम ब्यौना थाना कोंच तथा एक अज्ञात व्यक्ति ने मकान का ताला तोड़कर कब्जा करने का प्रयास किया।नवीन शर्मा का कहना है कि जानकारी मिलते ही उन्होंने डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस के पहुंचने पर कथित आरोपी मौके से चले गए और जाते समय कथित तौर पर धमकी भी दी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसके बावजूद विवाद थमा नहीं और 15 अगस्त को रात करीब 11 बजे फिर ताला तोड़कर मकान पर कथित रूप से कब्जा कर लिया गया।शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि 112 पर सूचना देने के साथ थाने को भी मामले की जानकारी दी गई, लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि कथित कब्जे के दौरान महिला व उसके साथियों ने दबंगई दिखाते हुए मकान पर कब्जा कर लिया।शिकायतकर्ता के मुताबिक उसने 14 अगस्त को कोतवाली प्रभारी को भी प्रार्थना पत्र देकर पैतृक मकान पर कब्जा रोकने की गुहार लगाई थी। अब संपूर्ण समाधान दिवस में दोबारा शिकायत पहुंचने के बाद मामला प्रशासन के संज्ञान में आया है।मामला सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब पीड़ित पहले ही पुलिस को सूचना देने का दावा कर रहा था, तो कथित रूप से दोबारा ताला टूटने और कब्जे की नौबत कैसे आई? हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। संबंधित पुलिस या प्रशासनिक अधिकारियों का आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी।

दबंग बना रहे थे जमीन बेचने का दबाव, विरोध करने पर महिला की जमकर मारपीट

बेटे पर गंभीर आरोप, एसडीएम से की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भदेवरा निवासी एक महिला ने अपने बेटे पर जमीन बेचने का दबाव बनाने, गाली-गलौज करने और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए रविवार को उपजिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता रामकुमारी पत्नी स्वर्गीय रामप्रसाद ने बताया पति की मृत्यु के बाद उनके नाम पांच एकड़ तथा पुत्र अमित कुमार के नाम पांच एकड़ भूमि विरासत में आई थी। आरोप है कि अमित कुमार अपने हिस्से की जमीन का कुछ भाग बेच चुका है और अब उसकी जमीन भी बेचने के लिए दबाव बना रहा है।शिकायत में कहा गया है कि 17 अगस्त 2026 की सुबह करीब आठ बजे अमित कुमार ने दोबारा जमीन उसके नाम करने की बात कही। मना करने पर उसने कथित तौर पर गाली-गलौज करते हुए महिला के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान महिला की पुत्री रंजना ने मौके पर पहुंचकर उसे बचाया। आरोप है कि अमित ने रंजना के साथ भी अभद्रता करते हुए धमकी दी।पीड़िता ने बताया कि घटना के दौरान उसने मोबाइल से 112 नंबर पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कही। महिला ने आरोप लगाया कि उसका बेटा शराब पीकर आए दिन उसके साथ मारपीट करता है। उसने एसडीएम से मामले की रिपोर्ट दर्ज कराकर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

सिंध नदी सेवढ़ा से जल लेकर बसोव के शिव मंदिर पहुंचे कांवड़िये

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सावन के पवित्र माह में सोमवार को शिव भक्तो ने कांवड़ यात्रा निकालकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। कांवड़िये सेवढ़ा स्थित सिंध नदी से पवित्र जल लेकर तहसील क्षेत्र के ग्राम बसोव पहुंचे। यहां स्थित प्राचीन शिव मंदिर में पूरे विधि-विधान के साथ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया।कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कांवड़िये पूरे भक्तिभाव के साथ नदी से जल लेकर पैदल ग्राम बसोव पहुंचे। रास्तेभर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के जयकारे लगाए, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। कांवड़ियों के जत्थे के मंदिर पहुंचने पर ग्रामीणों ने भी उनका जोरदार स्वागत किया।

मंदिर पहुंचकर सभी कांवड़ियों ने भगवान शिव को सेवढ़ा नदी से लाया गया पवित्र जल अर्पित किया। इसके साथ ही बेलपत्र, पुष्प आदि चढ़ाकर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। जलाभिषेक के दौरान मंदिर परिसर में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। कांवड़ यात्रा में सुरेन्द्र राजपूत, रामकिशोर राजपूत, महाराज, संजीव, कमलेश, मनमोहन, अरविंद, भैय्यन, संजीव, मोनू सहित करीब 32 श्रद्धालु शामिल रहे। सावन के दौरान क्षेत्र में लगातार धार्मिक आयोजनों का सिलसिला जारी है और श्रद्धालु भगवान शिव की भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं।

कोटरा में रविदास महाराज कलश बंधन शोभायात्रा निकाली गई

(यंग भारत न्यूज)

कोटरा /उरई। भाजपा संगठन के आवाहन पर कस्बा कोटरा में रविदास महाराज कलश बंधन शोभायात्रा निकाली गई कलश यात्रा में महिलाएं अपने सिर पर कलश लेकर चल रही थी यह कलश यात्रा नगर पंचायत कार्यालय से प्रारंभ होकर गणेशगंज स्थित गायत्री मंदिर होती हुई गांधीनगर शंकर जी मंदिर पहुंची यहां अहिरवार समाज की ओर से ईश्वर दास अहिरवार बाला अहिरवार, संतराम अहिरवार द्वारा कलश का पूजन किया गया इसके उपरांत कलश यात्रा गांधीनगर स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर पार्क पहुंची यहां भाजपा मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र राजपूत द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया इसके बाद कलश यात्रा तालपुरा होकर छोटी माता मंदिर होकर मुख्य बाजार शंकर जी मंदिर पहुंची यहां भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ विनोद अहिरवार द्वारा कलश का पूजन किया गया कलश यात्रा का लोगों द्वारा जगह-जगह फूल बरसा कर स्वागत किया गया कलश यात्रा में चल रही महिलाओं बच्चों बुजुर्गों द्वारा संत रविदास महाराज के जयकारे लगाए गए कलश यात्रा में पुष्पेंद्र सिंह सेगर, योगेश तिवारी जैसारी, विपिन पालीवाल, मनीष परमार, सोनू राजपूत, सुनील मिश्रा, श्याम किशोर बुधौलिया, रघुवीर सिंह गौर राजेश रखोलिया, बालमुकुंद वर्मा सभासद, धर्मेंद्र निरंजन चिल्ली, धर्मेंद्र स्वामी रामवीर परिहार, संजू सैनी, संतोष पांचाल आदि प्रमुख लोग शामिल रहे।

एडीएम की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 13 शिकायते दर्ज की गयी, मौके पर चार का हुआ निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सोमवार को आयोजित किए गए तहसील स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस में अलग-अलग विभागों से संबंधित 13 शिकायतें फरियादियों द्वारा दर्ज कराई गई।लेकिन मौके पर सिर्फ 4 शिकायतें ही निस्तारित की जा सकी। शेष लंबित शिकायतों के शीघ्र निस्तारण हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया।तहसील स्थित सभा कक्ष में आयोजित किए गए संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे अपर जिलाधिकारी राजीव राज ने फरियादियों की बारी-बारी से शिकायतें सुनी। एबेनेजर पब्लिक स्कूल के प्रबंधक डॉ ए एक्स जोसफ ने शिकायती पत्र देकर बताया कि पंचानन से लौना (स्कूल मार्ग) के बीच बीते काफी समय से सड़क जर्जर हालत में है जिससे बारिश के दिनों में बच्चों को आवागमन में काफी कठिनाई उठानी पड़ रही है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है। जोसफ ने जनहित में सड़क को दुरुस्त कराए जाने की मांग की है। वहीं दर्ज कराई गई शिकायतों को लेकर अपर जिलाधिकारी ने कहा कि निर्धारित समय के भीतर गुणवत्ता के साथ शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, एक बार दर्ज कराई गई शिकायत दोबारा से सामने नहीं आनी चाहिए।

श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया नागपंचमी का पर्व, महिलाओ ने की शिव आभूषणो की पूजा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर में सोमवार को नागपंचमी का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ परंपरागत ढंग से मनाया गया। सुबह से ही घरों और मंदिरों में नाग देवता की पूजा-अर्चना का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने नाग देवता को पकवानों का भोग लगाकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कई घरों में दूध में सेंवई पकाकर प्रसाद के रूप में परिवार के सदस्यों को वितरित किया गया।सावन माह में नागपंचमी का विशेष महत्व माना जाता है। इसी के चलते मालवीय नगर स्थित लक्ष्मी नारायण बड़ा परिसर में बने नाग मंदिर में सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए महिलाओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। महिलाओं ने विधि-विधान से नाग देवता की पूजा की और सत्तू से बनाई गई नागों की आकृतियां अर्पित कीं। श्रद्धालुओं ने दूध, फूल, अक्षत और अन्य पूजन सामग्री चढ़ाकर परिवार की सुख-शांति की कामना की।नगर के आसपास बाग-बगीचों में स्थित बांबियों पर भी लोगों ने पहुंचकर नाग देवता की पूजा-अर्चना की। मान्यता के अनुसार नागपंचमी के दिन नागों की पूजा करने से परिवार पर नाग देवता की कृपा बनी रहती है और सुख-समृद्धि आती है।भगवताचार्य पंडित विष्णुकांत शास्त्री ने बताया कि ज्योतिष शास्त्र में नागपंचमी का विशेष महत्व बताया गया है। जिन लोगों की कुंडली में कालसर्प दोष माना जाता है, उनके लिए इस दिन विशेष पूजा-अर्चना करने का विधान है। उन्होंने बताया कि श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर भगवान शिव और माता पार्वती के साथ नाग देवताओं की पूजा प्रमुख रूप से की जाती है।उन्होंने बताया कि भगवान शिव के गले में सुशोभित वासुकि नाग के साथ तक्षक नाग और शेषनाग की पूजा का भी विधान है। धार्मिक मान्यता है कि नाग देवता की श्रद्धापूर्वक पूजा करने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। सावन के माह में शिव आराधना के साथ नागपंचमी के पर्व ने नगर में धार्मिक वातावरण को और भक्तिमय बना दिया।

प्रधान सहित अन्य लोगों पर बाबा साहब का अपमान करने का आरोप, एसडीएम से शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम भदेवरा में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर निकाली गई तिरंगा बाइक रैली के दौरान संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण को लेकर विवाद सामने आया है। सोमवार को कुछ ग्रामीणों और युवाओं ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर ग्राम प्रधान पर बाबा साहब का जानबूझकर अपमान करने का आरोप लगाया। शिकायतकर्ताओं ने मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।शिकायतकर्ताओं के मुताबिक 15 अगस्त को पंचानन चौराहा कोंच क्षेत्र से युवाओं की तिरंगा बाइक रैली निकली थी। रैली ग्राम भदेवरा स्थित पंचायत भवन पहुंची। यहां डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाना था। आरोप है कि प्रतिमा स्थल पर ताला लगा हुआ था। रैली में शामिल लोगों ने मोबाइल फोन से ग्राम प्रधान भानु जाटव से संपर्क किया। आरोप है कि ग्राम प्रधान ने चाबी गांव में ही आसपास होने की बात कहते हुए उसे तलाश करने को कहा।इसके बाद रैली में शामिल लोगों ने गेट पर लगे ताला पर माल्यार्पण किया और कार्यक्रम संपन्न किया। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रतिमा स्थल पर ताला लगाए जाने से उनकी भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने ग्राम प्रधान के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। वहीं ग्राम प्रधान भानु जाटव ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह आवश्यक कार्य से बाहर गए हुए थे।उन्होंने फोन पर लोगों को गेट की चाबी गांव में ही होने की जानकारी दी थी। मामले में एसडीएम अभिनव कुमार ने शिकायतकर्ताओं को पूरे प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात की है।

घायल महिला को 112 नंबर पुलिस टीम ने उठाकर अस्पताल में इलाज हेतु भेजा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 17 अगस्त। कालपी से मंगरौल जाने गुढाखास जाने वाली सडक के किनारे एक महिला मरणासन्न हालत में मिली सूचना पर पहुची पुलिस ने महिला को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में भर्ती कराया वही महिला के साथ उसके देवर ने मारपीट की है और उसे मृत समझकर खेतों में फेंक दिया।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गुढाखास निवासी रामप्रकाश की पत्नी 30 वर्षीय रेनू को सोमवार की सुबह उसके देवर रामकिशन सजीवन व नरेन्द्र उसे घर से ले आए और खेतों की ओर ले जाकर उसे जमकर पीटा और कालपी मंगरौल से गुढाखास: जाने वाली सडक के समीप उसे मृत समझकर छोड कर भाग गये जब ग्रामीण परमसुख वहां से निकला तो उसने महिला को पडा देखा जिसजे बाद उसने डायल 112 पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुची ? पुलिस बेहोश पडी महिला को उठाया और उसे पानी आदि पिलाया तब वह होश में आयी जिसे सी एच सी में भर्ती कराया गया जहां पर उसकी हालत गम्भीर बनी हुइ है वही बताया गया कि उसकी सास की कुछ दिनों पूर्व मृत्यु हो गई थी जिसके बाद उसके देवर अपनी मां की मौत का आरोप भाभी पर लगा रहे थे महिला का 9 वर्षीय पुत्र राजकुमार भी अस्पताल पहुचा वही महिला का पति गाडी चलाता है वह घर से बाहर था पुलिस जांच में जुटी है।

स्वतंत्रता दिवस पर उप डाकघर माधौगढ़ में गरिमामय समारोहः सब पोस्ट मास्टर प्रज्ञा झा ने किया ध्वजारोहण

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन): देश के स्वतंत्रता दिवस के पावन एवं गौरवशाली अवसर पर उप डाकघर माधौगढ़ में देशभक्ति और उल्लास के साथ ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर डाकघर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया था, जहाँ कर्मचारियों और स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

समारोह की शुरुआत में उप डाकघर की सब पोस्ट मास्टर प्रज्ञा झा ने पूरे सम्मान और गरिमा के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में राष्ट्रगान गाया और भारत माता के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा।

ध्वजारोहण के उपरांत एक लघु विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों के त्याग और बलिदान को याद किया। सब पोस्ट मास्टर प्रज्ञा झा ने अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि देश के प्रति हमारे कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को याद करने का दिन है। उन्होंने डाक सेवा से जुड़े सभी कर्मचारियों को निष्ठा और ईमानदारी से समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए और देश की प्रगति में डाक विभाग व ग्रामीण डाक सेवकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में डाक कर्मचारी केवल पत्र या पार्सल नहीं पहुँचाते, बल्कि सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं।इस गरिमामय अवसर पर उप डाकघर और ग्रामीण डाकघरों के कर्मचारी तथा स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुरेन्द्र दुबे, नागेन्द्र सिंह राजावत (माधौगढ़) के साथ-साथ ग्रामीण डाकघर सिहारी से मीनू, चितौरा से शिवबहादुर, रामहेतपुरा से लाखन, कैलोर से प्रदीप सिंह और धमना से रामप्रकाश तोमर सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया गया तथा मिष्ठान वितरण के साथ समारोह का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

नागपंचमी का त्योहार नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक ढंग से मनाया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । मंगलवार को नागपंचमी का त्योहार नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक ढंग से मनाया गया। इस मौके पर नागों की पूजा की गई। श्रावण शुक्ल पंचमी को नागपंचमी पर्व के रूप में मनाया जाता है। सनातन परंपरा में पंच तत्वों के साथ पशुओं, पेड़ों को भी पूजने की परंपरा है। इसी तरह नागों की पूजा का भी विशेष महत्व है। भगवान शिव तो उन्हें आभूषण की तरह गले में ही धारण करते हैं। नागों को एक मायने में इंसानों का मित्र माना जाता है। वे चूहों को खाकर उनकी संख्या सीमित रखते हैं। बड़ी संख्या में चूहे होने पर वे फसलों और अनाज को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

सावन के तीसरे सोमवार को हर हर महादेव, बम भोले के जयकारों से गुंजायमान रहे शिवालय

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सावन के तीसरे सोमवार को सुबह से ही नगर के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पडी। सोमवार सुबह से ही मंदिरों में भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया। भोर से ही शिवालय हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गुंजायमान रहे। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान आशुतोष की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। भक्तों ने भगवान शिव का दूध, गंगाजल और जल से अभिषेक किया। इसके बाद आक, धतूरा, बेलपत्र, पुष्प आदि अर्पित कर भगवान शिव की आराधना की गई। सावन के तीसरे सोमवार को शिव मंदिरो में महिलाओं की संख्या भी काफी अधिक रही। बड़ी संख्या में महिलाएं मंदिर पहुंचीं और भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की।नगर के बाहरी क्षेत्र में स्थित झलेश्वर और पठेश्वर मंदिर में भी सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। वहीं नगर के बीचोंबीच चंदकुआं स्थित प्राचीन भूतेश्वर मंदिर में भोर से ही जलाभिषेक के लिए महिलाओं और पुरुषों की लंबी कतारें लगने लगीं। श्रद्धालु बारी-बारी से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करते नजर आए।भगवान मारकंडेश्वर महाराज के मंदिर में भी भक्त श्रद्धा और भक्ति में लीन दिखाई दिए। नईबस्ती स्थित सिद्धेश्वर मंदिर और नायक के मठ स्थित महाकालेश्वर मंदिर में भी शिवभक्तों की भारी भीड़ रही। इसके अलावा गुप्तेश्वर, बक्सेश्वर, पीपलेश्वर और यादवेश्वर सहित नगर के अन्य शिवालयों में भी दिनभर पूजा-अर्चना का सिलसिला चलता रहा।सावन के सोमवार को लेकर मंदिरों में भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का पूजन कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। मंदिर परिसरों में लगातार गूंजते हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा वातावरण शिवमय रहा।

बाइक के सामने अचानक आया कुत्ता,सड़क पर गिरकर महिला की मौत

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।पंचानन चौराहे के पास मोटरसाइकिल के सामने अचानक कुत्ता आ जाने से चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और बाइक सड़क पर गिर गई। हादसे में मोटरसाइकिल पर पीछे बैठी महिला को गंभीर चोटें आईं।जानकारी के अनुसार प्रताप नगर निवासी वहीदन पत्नी साबिर उम्र 45 वर्ष, मध्य प्रदेश के लहार से अपनी लड़की के घर से अपने घर कोंच लौट रही थीं। उनके साथ उनका भतीजा अरशद उम्र 22 वर्ष, मोटरसाइकिल चला रहा था। शनिवार शाम दोनों पंचानन चौराहे के पास पहुंचे, तभी अचानक एक कुत्ता मोटरसाइकिल के सामने आ गया।कुत्ते के अचानक सामने आने से अरशद मोटरसाइकिल को संभाल नहीं सका और बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में वहीदन सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि उनके भतीजे को भी चोटें आईं।

दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों और परिजनों ने घायल महिला को ई-रिक्शा की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने महिला का प्राथमिक उपचार किया। महिला की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया।जहां उसकी मौत हो गयी।हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन महिला को जिला अस्पताल उरई लेकर गए। घटना के बाद कुछ समय के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 55 शिकायतें प्राप्त, 16 का मौके पर निस्तारण

- डीएम ने अधिकारियों को टीम बनाकर मौके पर जाकर शिकायतों का वास्तविक एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

- डीएम के निर्देश पर दाखिल-खारिज की त्रुटि का तत्काल हुआ सुधार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। माधौगढ़ तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 55 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 16 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में सर्वाधिक शिकायतें विद्युत विभाग से संबंधित प्राप्त हुईं। इसके अतिरिक्त चकरोड, नाली, आवास एवं क्षतिपूर्ति से संबंधित प्रकरण भी सामने आए। जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों की टीम बनाकर मौके पर पहुंचकर शिकायतों का वास्तविक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।शिकायतों के निस्तारण के लिए सात टीमें मौके पर भेजी गईं, जो स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी। चकरोड से संबंधित पांच प्रकरणों में मौके पर चकरोड खाली करा दिए गए थे, लेकिन मिट्टी डालने का कार्य शेष था। जिलाधिकारी ने तत्काल मिट्टी डलवाने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी न हो और वे खाद, बीज सहित आवश्यक कृषि सामग्री आसानी से अपने खेतों तक ले जा सकें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में स्वाति सिंह ने शिकायत प्रस्तुत की कि उन्होंने एक प्लाट खरीदा था, लेकिन उसका दाखिल-खारिज किसी अन्य व्यक्ति के नाम कर दिया गया। जिलाधिकारी ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए तत्काल तहसीलदार को बुलाकर मामले की जांच कराई तथा संबंधित अधिवक्ता को भी उपस्थित कराया गया। जांच में सामने आया कि डीड के अंतिम पृष्ठ में किसी दूसरी तिथि का पृष्ठ लग जाने तथा उस पर स्वाति सिंह के हस्ताक्षर कराकर प्रेषित किए जाने के कारण त्रुटि हुई थी। जिलाधिकारी ने तत्काल आवश्यक सुधार कराया और स्पष्ट निर्देश दिए कि इस प्रकार की त्रुटियों की पुनरावृत्ति किसी भी दशा में न हो। जिलाधिकारी ने राजस्व प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता को राहत मिलना ही शिकायत निस्तारण का वास्तविक उद्देश्य है।

साथ ही निस्तारित शिकायतों के संबंध में शिकायतकर्ताओं से लगातार फोन के माध्यम से फीडबैक प्राप्त करने के भी निर्देश दिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शिकायतों का समाधान वास्तव में हुआ है और फरियादी संतुष्ट है। इस अवसर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, उप जिलाधिकारी मनोज कुमार, सीओ अम्बुज सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एच एन प्रसाद, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में वृद्धि से बढ़ेगा उत्साह, डिजिटल प्रणाली से राशन वितरण होगा और पारदर्शी

- मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का जनपद में बड़ी संख्या में अन्नपूर्णा भवन संचालकों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने देखा सजीव प्रसारण

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। मुख्यमंत्री ने आज लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के उचित दर विक्रेताओं के हित में ई-पॉस आधारित उचित दर विक्रय प्रणाली का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदेश के 78 हजार से अधिक उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में वृद्धि करते हुए प्रति कुंतल लाभांश 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये करने की सौगात दी गई।

मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का जनपद जालौन में भी बड़ी संख्या में अन्नपूर्णा भवन संचालकों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में सजीव प्रसारण देखा एवं सुना। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष प्रशासक घनश्याम अनुरागी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, सदर विधायक के प्रतिनिधि रविन्द्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं अन्नपूर्णा भवन संचालक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मा0 मुख्यमंत्री जी ने उचित दर विक्रेताओं के हित में उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों से लाभांश में वृद्धि से उचित दर विक्रेताओं को आर्थिक संबल मिलने के साथ ही राशन वितरण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। वहीं ई-पॉस आधारित डिजिटल प्रणाली से राशन वितरण में पारदर्शिता एवं जवाबदेही और मजबूत होगी। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रशासक घनश्याम अनुरागी ने कहा कि उचित दर विक्रेता सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लाभांश में वृद्धि उनके हित में सरकार का सराहनीय कदम है। डिजिटल व्यवस्था से राशन वितरण में पारदर्शिता बढ़ेगी और लाभार्थियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि सरकार द्वारा उचित दर विक्रेताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए लाभांश में वृद्धि की गई है। ई-पॉस आधारित व्यवस्था से राशन वितरण प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी एवं सुगम होगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप नई व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को समय से एवं निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध हो सके। अवसर पर अन्नपूर्णा भवन संचालकों एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री जी द्वारा उचित दर विक्रेताओं के हित में की गई घोषणाओं का स्वागत किया।

कुआंखेड़ा नाले में मिला 75 वर्षीय वृद्ध का शव, फॉरेंसिक टीम ने की जांच

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कदौरा थाना क्षेत्र के ग्राम कुआंखेड़ा में सोमवार सुबह दुर्गा मंदिर के पास पुलिया के नीचे नाले में 75 वर्षीय वृद्ध हरकिशुन कुशवाहा का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। राहगीरों ने नाले में शव उतराता देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही कदौरा थाना प्रभारी परमेंद्र कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को नाले से बाहर निकलवाया। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। वहीं सीओ कालपी राजेश कमल ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों से जानकारी ली। मृतक की पहचान हरकिशुन कुशवाहा पुत्र स्वर्गीय ठाकुर दास, निवासी ग्राम कुआंखेड़ा के रूप में हुई है। मृतक के तीन पुत्र बताए गए हैं। उनके बड़े बेटे रामसजीवन गांव में ही रहते हैं, जबकि दो अन्य पुत्र दिल्ली के पास गुड़गांव में रहते हैं। पुलिस ने दोनों बेटों को घटना की जानकारी दे दी है। मृतक के बड़े बेटे रामसजीवन ने बताया कि उनका अपने पिता से कई वर्षों से कोई संपर्क नहीं था। उन्होंने कहा कि उनके पिता उनके लिए बहुत पहले ही मर चुके थे। घटना के बाद वह शव के साथ पोस्टमार्टम के लिए भी नहीं गए। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्राम प्रधान सुशील यादव भी मौके पर पहुंचे। वृद्ध की मौत नाले में गिरने से हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण है, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

चाकू से युवक पर हमला, मोबाइल में मौजूद साक्ष्य डिलीट करने का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जालौन क्षेत्र के मोहल्ला खटीकान में 16 अगस्त की शाम एक युवक पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घायल युवक की मां बकरीदन पत्नी स्वर्गीय मुन्ना उर्फ बरकत अली ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

शिकायती पत्र के मुताबिक, बकरीदन का पुत्र हसन रास्ते से जा रहा था। इसी दौरान कई लोगों ने उसे घेर लिया और एक राय होकर चाकू से हमला कर दिया। हमले में हसन के नाक, मुंह और पीठ में चोटें आईं तथा काफी खून निकलने लगा। घटना के बाद घायल को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। पीड़िता का आरोप है कि घटना के दौरान मौजूद लोगों ने हसन का मोबाइल भी अपने कब्जे में ले लिया। मोबाइल में घटना तथा पैसे लेने से संबंधित वीडियो मौजूद थे। आरोप है कि मंडी चौकी इंचार्ज मनीष कुमार तिवारी ने मोबाइल अपने कब्जे में लेकर उसमें मौजूद साक्ष्य और वीडियो डिलीट कर दिए तथा मामले में कार्रवाई करने के बजाय समझौते का दबाव बनाया। शिकायतकर्ता ने घटना के पीछे पुरानी रंजिश होने का आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपी दबंग किस्म के हैं। उसके मुताबिक विवाद एक लड़की को लेकर पहले से चला आ रहा है और आरोपियों द्वारा परिवार को धमकाने की बात भी कही गई है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने तथा परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। हालांकि शिकायती पत्र में लगाए गए सभी आरोप पीड़ित पक्ष के हैं। खबर लिखे जाने तक पुलिस की ओर से आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अथवा विस्तृत आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। पुलिस जांच के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

चौरसिया दिवस पर मेधावियों और बुजुर्गों का हुआ सम्मान

-सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां, समाज की एकता और शिक्षा पर दिया जोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन । नागपंचमी एवं चौरसिया दिवस के अवसर पर चौरसिया समाज जालौन नगर की ओर से श्री राम पैलेस में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज की एकजुटता, सामाजिक सहयोग और शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

समारोह में बच्चों और युवाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसके बाद मेधावी छात्र-छात्राओं को मोमेंटो व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं समाज के बुजुर्गों को शाल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर बच्चों और बुजुर्गों के चेहरे खुशी से खिल उठे। वक्ताओं ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए शिक्षा और संगठन जरूरी है। बुजुर्ग समाज की धरोहर हैं। उनके अनुभवों से युवा पीढ़ी को सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। ऐसे आयोजनों से समाज के लोगों में आपसी भाईचारा और एकजुटता मजबूत होती है। कार्यक्रम के अंत में समाज के लोगों ने सामूहिक रूप से भोजन किया। आयोजकों ने सभी समाजबंधुओं का आभार जताया। इस अवसर पर संरक्षक कृष्ण गोपाल, शिवनारायण व गंगाराम, संरक्षक महेश चौरसिया, जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार, नगर अध्यक्ष सोहन लाल, युवा नगर अध्यक्ष अमन चौरसिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कालीचरण, अनिल कुमार अन्नू, अरविंद्र चौरसिया राजू, बालमुकुंद चौरसिया, निर्मल चौरसिया, आयुष उर्फ हर्ष चौरसिया, श्यामू चौरसिया, मयंक चौरसिया, शिवम चौरसिया, रामू चौरसिया, राजीव चौरसिया, राजेश उर्फ बबलू चौरसिया, उमेश चौरसिया, अनिल चौरसिया सहित अनीता चौरसिया, साधना चौरसिया, शिल्पी चौरसिया, शिवानी चौरसिया, लक्ष्मी चौरसिया, प्रेमलता चौरसिया, माधुरी चौरसिया, श्रद्धा चौरसिया, मधु चौरसिया व सुधा चौरसिया मौजूद रहीं।

उरई में नाग पंचमी व चौरसिया दिवस पर भारतीय चौरसिया महासभा द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित

समाज के उत्थान पर हुआ मंथन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जालौन जिले के उरई स्थित मंडपम गेस्ट हाउस राठ रोड में नाग पंचमी एवं चौरसिया दिवस के शुभ अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय चौरसिया महासभा व अपना दल (एस) युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विजय चौरसिया जी उपस्थित रहे। इस दौरान चौरसिया समाज के राष्ट्रीय संरक्षक श्री राजेंद्र बनारसी जी तथा प्रदेश अध्यक्ष श्री पारस नाथ चौरसिया जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। ?कार्यक्रम का शुभारंभ चौरसिया समाज के आराध्य देव श्री चौऋषि महाराज व नागवेली के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि विजय चौरसिया जी ने अपने संबोधन में कहा कि नाग पंचमी और चौरसिया दिवस हमारे समाज की गौरवशाली परंपरा और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। उन्होंने समाज में एकजुटता, शिक्षा के प्रसार और युवाओं को राजनीति व सामाजिक क्षेत्रों में आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक समाज का युवा सशक्त नहीं होगा, तब तक सर्वांगीण विकास संभव नहीं है।

?राष्ट्रीय संरक्षक राजेंद्र बनारसी जी ने अपने विचारों को रखते हुए समाज के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला और कुरीतियों को दूर कर आपसी बंधुत्व को मजबूत करने की बात कही। प्रदेश अध्यक्ष पारस नाथ चौरसिया जी ने संगठन के विस्तार और चौरसिया समाज के राजनीतिक व आर्थिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता जताई। ?इस दौरान स्थानीय आयोजकों ने अतिथियों का फूल-मालाओं और स्मृति चिह्न भेंट कर भव्य स्वागत किया। वही मेधावी छात्र छात्राएं को सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम में उरई व कानपुर बनारस,आगरा मिर्जापुर, हरदोई झांसी हमीरपुर औरैया सहित कई जिलों व क्षेत्रों से आए समाज के गणमान्य नागरिकों, प्रबुद्धजनों और बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। सभा के अंत में समाज के प्रति उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष शिवकुमार उर्फ मोहन चौरसिया, कार्यक्रम संयोजक अशोक कुमार चौरसिया केके ग्रुप, शिवकुमार चौरसिया कुसमिलिया कार्यक्रम व्यवस्थापक, प्रदेश सचिव ऋतिक चौरसिया,अमन उर्फ मोंटू चौरसिया युवा जिला अध्यक्ष युवा मंच, मीडिया प्रभारी मोहित चौरसिया आदि मौजूद रहे।

16 वर्ष या इससे से अधिक की छात्राएं ई ट्राय साइकिल के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकती है

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने बताया कि जनपद जालौन में निवासरत समस्त दिव्यांग छात्राएं जो 16 वर्ष या उससे अधिक उम्र की हैं एवं जो किसी भी स्कूल / कालेज / संस्थान में अध्ययनरत एवं शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा ई-ट्राईसाइकिल योजना संचालित की गयी है। ऐसी दिव्यांग छात्राएं जो दैनिक कक्षाओं, लाइब्रेरी, लैब, हास्टल आदि में सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त नहीं कर पाती है उनको ई-ट्राईसाइकिल प्रदान कर उनका शैक्षिक पुनर्वासन किया जाना है। इस योजनान्तर्गत अधिकतम धनराशि रु0 65000/- (रु0 पेंसठ हजार मात्र) प्रति ई-ट्राईसाइकिल अनुमन्य किया गया है।

उन्होंने पात्रता के सम्बंध में बताया कि ऐसी दिव्यांग छात्राएं जो मस्क्यूलर डिस्ट्रोफी, स्ट्रोक, सेरेवल पाल्सी, हीमोफिलिया आदि से ग्रसित हो तथा शारीरिक रूप से उनकी दृष्टि और मानसिक स्थिति अच्छी हो एवं कमर का ऊपरी भाग स्वस्थ्य हो जो ई-ट्राईसाइकिल चलाने में सक्षम हो तथा जिसकी दिव्यांगता (दिव्यांग प्रमाण-पत्र, यू0डी0आई0डी0 कार्ड) कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, जालौन स्थान उरई द्वारा प्रमाणित हो। इस योजनान्तर्गत ऐसी दिव्यांग छात्राएं या उनका परिवार आयकरदाता श्रेणी में न आता हो। गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवार को प्रथम वरीयता प्रदान की जाएगी साथ ही योजनान्तर्गत उन्हीं दिव्यांग छात्राओं को लाभ दिया जाएगा जिनको विगत 05 वर्ष की अवधि में किसी भी स्त्रोतों से ई-ट्राईसाइकिल प्राप्त न हुई हो। उन्होंने बताया कि ई-ट्राईसाइकिल प्राप्त किये जाने हेतु अध्ययनरत होने का प्रमाण-पत्र संबंधित शिक्षण / प्रशिक्षण संस्थान से उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य होगा। इच्छुक दिव्यांग छात्राएं लाभ प्राप्त किये जाने हेतु विभागीय बेवसाइट www.hwd.uphq.in पर अपना आवेदन ऑनलाइन करा सकती हैं। अधिक जानकारी हेतु कार्याल कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कलेक्ट्रेट कैम्पस, डी0पी0आर0ओ0 भवन उरई में उपस्थित होकर भी प्राप्त कर सकती हैं।

UPSSSC कनिष्ठ सहायक भर्ती का अंतिम परिणाम जल्द जारी करने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई, 17 अगस्त 2026। जनपद जालौन के UPSSSC कनिष्ठ सहायक भर्ती (विज्ञापन संख्या 08/2023) के 5512 अभ्यर्थियों ने सोमवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर भर्ती का अंतिम चयन परिणाम जल्द जारी किए जाने की मांग की।

अभ्यर्थियों ने बताया कि यह भर्ती PET-2022 के आधार पर निकाली गई थी और भर्ती प्रक्रिया को लगभग चार वर्ष पूरे होने वाले हैं। लिखित परीक्षा, टाइपिंग परीक्षा एवं दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन अभी तक अंतिम परिणाम घोषित नहीं किया गया है। परिणाम जारी न होने से हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। अभ्यर्थियों ने आयोग से भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करते हुए अंतिम चयन परिणाम जारी करने की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में अमित, अंशुल, आशु, कृष्णा, निर्भय, अभिषेक और शिवम प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

एक राय होकर घर में घुसकर मारपीट करने पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। स्थानीय नगर के मोहल्ला उदनपुरा में घर में घुसकर महिला सहित तीन लोगों के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के मामले में कालपी कोतवाली में नामजद आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। उक्त मामले को लेकर वादिनी रन्नो पत्नी रामबाबू निवासी मोहल्ला उदनपुरा ने कोतवाली कालपी में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि 15 अगस्त की रात करीब 11 बजे वह अपने घर में सो रही थी। इसी दौरान आरोपियों विक्रम उर्फ टिंकू , देवेंद्र उर्फ मनफूला तथा विक्की निवासीगण मोहल्ला उदनपुरा लाठी-डंडे लेकर उसके घर में घुस आए और उसके साथ मारपीट करने लगे। हमलावरों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। हमलावरों ने एक राय होकर रन्नो, कल्लू और पायल देवी के साथ भी मारपीट कर दी तथा गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गए।

समाधान दिवस में 16 शिकायतें प्रस्तुत, चार का मौके पर निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई।सोमवार को तहसील सभाकक्ष में एसडीएम विनय कुमार मौर्य की अध्यक्षता में तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान फरियादियों ने विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 16 शिकायतें प्रस्तुत कीं। इनमें सबसे अधिक आठ मामले राजस्व विभाग से संबंधित रहे, जबकि पुलिस विभाग से जुड़े तीन मामले शामिल रहे। अधिकारियों ने मौके पर चार शिकायतों का निस्तारण किया।

समाधान दिवस में एसडीएम विनय कुमार मौर्य, तहसीलदार श्रीष कुमार मिश्रा तथा नायब तहसीलदार मुकेश कुमार, चंद्र मोहन शुक्ला एवं प्रिंस सिंह राजपूत ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। ग्राम प्रधान जौराखेड़ा चंद्रभूषण सिंह ने गांव नमामें गंगे योजना के तहत निर्मित पानी की टंकी से अब तक पानी की आपूर्ति शुरू न होने की शिकायत की। ग्राम जमरेही निवासी रामकिशन तोमर ने आम रास्ते पर विपक्षियों द्वारा किए गए कथित अवैध कब्जे की शिकायत की।ग्राम सुरौला निवासी नरसिंह ने देवपुरा पुलिस चौकी का अधूरा निर्माण जल्द पूरा कराने की मांग की। वहीं ग्राम तुर्की निवासी कृष्ण कुमार त्रिपाठी ने गौशाला परिसर में उगी झाड़ियों को हटवाने की मांग रखी। कल्लू आदि ने ग्राम निभाना में चकरोड पर अवैध कब्जे की शिकायत की। मोहल्ला राजघाट कालपी निवासी बृजेश कुमार रायकवार ने विपक्षियों द्वारा खुलेआम लैट्रिन का गंदा पानी बहाए जाने की शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की।एसडीएम विनय कुमार मौर्य ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की नई गाइडलाइन के अनुरूप सभी शिकायतों का मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश भी दिए।इस मौके पर राजस्व निरीक्षक हरेंद्र सिंह सेंगर, सुरेश कुमार, नगर पालिका परिषद के अवर अभियंता प्रवीण कुमार मौर्य, विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी धर्मेंद्र सिंह सचान, जल संस्थान के अवर अभियंता वासित अली, वन विभाग के दरोगा मन्ना सिंह, प्रेम कुमार पाण्डेय, हर्ष सोनी, लेखपाल जितेंद्र सिंह, राघवेंद्र सिंह निरंजन, स्टेनो सलीम खान, तहसील के प्रशासनिक अधिकारी धीरज पुरवार सहित कालपी कोतवाली के उपनिरीक्षक तथा कदौरा, आटा और चुर्खी थानों के थानाध्यक्ष एवं विभिन्न के अधिकारी मौजूद रहे।

संगठन सृजन अभियान से कांग्रेस को मिलेगी नई मजबूती

ब्लॉक से लेकर बूथ स्तर तक संगठन खड़ा करने पर जोर

- कार्यकर्ताओं में भरा जाएगा नया जोश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)।कांग्रेस पार्टी को पूरे देश में मजबूत करने के उद्देश्य से संगठन सृजन अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। उक्त बात कांग्रेस हाईकमान के आबर्जर एवं राजस्थान से सांसद मुरारीलाल मीणा ने जिला कांग्रेस कार्यालय शहीद भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि यह अभियान समूचे देश के प्रदेशों में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे एवं लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी के निर्देश पर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत ब्लॉक स्तर से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और नई कमेटियों का गठन करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।राजस्थान सांसद मुरारीलाल मीणा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी जातियों और धर्मों के लोगों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। संगठन सृजन अभियान के माध्यम से जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जाएगा और संगठन में मौजूद खामियों को जल्द दूर किया जाएगा। बूथ स्तर की कमेटियों को मजबूत कर पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को आम जनता तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। अभियान के तहत प्रत्येक ब्लॉक और बूथ पर संगठन को सक्रिय एवं प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे निश्चित रूप से आने वाले समय में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी। उन्होंने ने कहा कि पार्टी के नेता राहुल गांधी छात्र-छात्राओं और युवाओं से जुड़े मुद्दों को मजबूती के साथ उठा रहे हैं। उनके द्वारा लगातार जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाए जाने का आने वाले समय में कांग्रेस को राजनीतिक लाभ मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रियता के दम पर आने वाले समय में राजस्थान में भाजपा का सफाया होगा और कांग्रेस एक बार फिर मजबूत स्थिति में पहुंचेगी। पत्रकार वार्ता के दौरान कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष अरविंद सेंगर, शहर अध्यक्ष राजकुमार पिपरिया, कमल दोहरे उरई-जालौन विधानसभा सुरक्षित सीट से प्रवलदावेदार, जितेन्द्र मिश्रा, राजू प्रजापति ऊमरी, अमर सिंह जांगिड़, जमुनादास अहिरवार शहर उपाध्यक्ष, अखिलेश चौधरी, शब्बीर अंसारी सहित आदि कांग्रेसजन मौजूद रहे।

निगम के पूर्वजों ने दंगल कार्यक्रम डाली परंपरा को निगम परिवार कायम किए हुए हैं- डॉ अरुण मेहरोत्रा

भदरेखी पहलवान दीपू यादव ने मोहम्मदाबाद पहलवान प्रयाशु को किया पराजित

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 17 अगस्त। नाग पंचमी पर्व पर लंका मीनार प्रांगण में मेले तथा दंगल का आयोजन किया गया दंगल में पहलवानों ने अपने दांव-पेंच दिखाकर हार जीत हासिल की। बताते चलें कि नाग पंचमी अवसर पर बाबू मथुरा प्रसाद ने मथुरा प्रसाद निगम ने जन्म दिवस पर लगभग 175 वर्ष से मिला तथा दंगल का आयोजन होता चला आ रहा है उक्त मिले का उद्घाटन पूर्व विधायक डॉ अरुण मेहरोत्रा पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव भाजपा नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी समेत तीनों लोगों ने किया उद्घाटन समारोह में पूर्व विधायक मेहरोत्रा ने कहा कि निगम परिवार के डॉक्टर विवेक निगम एवं अधिवक्ता श्रवण कुमार निगम पूरा परिवार पुरानी परंपरा को कायम किए हुए हैं इसलिए निगम परिवार बधाई का पात्र है इस दौरान पहली कुश्ती दीपू यादव भदरेखी प्रियांशु मोहम्मदाबाद के बीच कराई गई जिसमें दीपू विजय हुए दूसरी कुश्ती अनुज और राजेश के बीच कराई गई जिसमें अनुज विजय हुए इसके अलावा एक दर्जन पहलवानों ने भाग लेकर दंगल में कुश्ती लड़ी रेफरी की जिम्मेदारी में किशन यादव शेर सिंह ने अहम भूमिका निभाई मौके में भाजपा नेता ओमप्रकाश शर्मा हरी बाबू गुप्ता लाला हुका डॉ प्रदीप गुप्ता राजकुमार गुप्ता पतरा वाले डॉ आर पी दीक्षित आदि लोग मौजूद थे।

हरियाली तीज उत्सव मातृ शक्ति ने धूमधाम से मनाने पर उठी तालिया की गूंज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 17 अगस्त। सावन महीने में अखिल भारतीय पुरवार महासभा संगठन उप शाखा कालपी की महिलाओं ने हरियाली तीज पर्व पर बिहारी मंदिर भगवान बिहारी दरबार में पूजा अर्चना कर पर्व को बड़े हर्षोल्लास के तहत मनाया।

सोमवार के दिन नगर के मोहल्ला राजघाट स्थित यमुना तट समीप बिहारी मंदिर दरबार एवं प्रांगण में आयोजित पर्व पर महिला पुरवार संगठन नगर इकाई अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता पुरवार उषा पुरवार आदि महिलाओं ने पर्व पर मेहंदी प्रतियोगिता रचनात्मक अद्भुत एवं सुंदरता प्रदर्शन कर बेहद आकर्षक मेहंदी लगाई तथा नृत्य गान करबड़े हर्षोल्लास तहत पर्व आयोजित किया गया यह पर्व आयोजित ही नहीं समाज की एकता हमारी परंपराओं मातृशक्ति की प्रतिभा सुंदर संगम बनकर सामने आकर सुशोभित हुआ कुछ महिलाओं ने पर्व पर अच्छा प्रदर्शन कर मौजूद महिलाओं को ताली बजाने के लिए विवश किया मौजूद महिलाओं ने भगवान बिहारी दरबार में पहुंचकर माथा टेक कर स्वयं तथा परिवार हेतु खुशी हेतु आशीर्वाद मांगा हरियाली पर्व को बड़े अच्छे ढंग से मनाने पर अन्य महिलाओं को पर्व मनाने का संदेश दिया उपस्थित महिलाओं में ममता पुरवार साधना पुरवार योगिता पुरवार शिवानी पुरवार गौरी पुरवार पूनम पुरवार दीपा पुरवार प्रियंका पुरवार जूही पुरवार अनुपम पुरवार संध्या पोरवाल बबीता पोरवाल आरती पोरवाल नीता पोरवाल साक्षी पुरवार रुचि पुरवार आरती पुरवार आदि महिलाएं मौजूद थी।

उचित दर विक्रेताओं के लाभांश वृद्धि कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। तहसील सभागार में उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में वृद्धि किए जाने के उपलक्ष्य में लाभांश वृद्धि उल्लास कार्यक्रम का आयोजन अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे प्रेमचंद मौर्या की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी मौजूद रहे। इस दौरान विधायक ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संवाद सुना।

सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में एसडीएम विनय कुमार मौर्य, तहसीलदार श्रीष कुमार तिवारी तथा पूर्ति निरीक्षक उज्ज्वल मिश्रा की मौजूदगी रही। मुख्यमंत्री के संवाद कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि प्रदेश के 78 हजार से अधिक सरकारी उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में वृद्धि की गई है। लाभांश को 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति कुंतल किए जाने को कोटेदारों के लिए महत्वपूर्ण निर्णय बताया गया।इस अवसर पर सिंगल स्टेज डोर स्टेप डिलीवरी के अंतर्गत ई-पास आधारित उचित दर विक्रेता फीड चेक प्रणाली का भी शुभारंभ किया गया। अधिकारियों ने बताया कि नई व्यवस्था का उद्देश्य राशन वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सुगम और प्रभावी बनाना है।कार्यक्रम के दौरान उचित दर विक्रेताओं ने लाभांश वृद्धि के निर्णय का स्वागत किया और सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

वर्ष-2026-27 में जिला स्तरीय सिविल सर्विसेज चयन / ट्रायल्स में चयनित खिलाडियों की सूचना

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। क्रीड़ा अधिकारी शैलेन्द्र कुशवाहा ने बताया कि जिला खेल कार्यालय, उरई के तत्वाधान में दिनांक 13 अगस्त 2026 को प्रात: 11:00 बजे से राज्य कर्मचारी/अधिकारीयों के विभिन्न खेलो (टेनिस, बालीवाल, तैराकी, बास्केटबाल, बैडमिन्टन टेबुल टेनिस, कबड्डी, शतरंज, भारोत्तोलन एण्ड बेस्टफिजिक, एथलेटिक्स, फुटवाल, कैरम बिज, कुश्ती, पावरलिफ्रिटिंग, क्रिकेट, हॉकी, खो-खो एवं योगासन) में जनपद स्तरीय चयन / ट्रायल्स फिजीकल एवं स्किल टेस्ट के आधार पर सम्पन्न किये गये जिसमें निम्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चयनित किया गया जो दिनांक 18 एवं 19 अगस्त 2026 को क्षेत्रीय खेल कार्यालय झांसी में आयोजित मण्डल स्तरीय सिविल सर्विसेज चयन / ट्रायल्स में प्रतिभाग करेगे। उन्होंने बताया कि सिंचाई विभाग से चन्द्रपाल सिंह एथलेटिक्स, राजकीय पॉलिटेक्निक से राघवेंद्र हॉकी, सिंचाई विभाग से रवि प्रताप सिंह कबड्डी, वेतवा नहर प्रखण्ड द्वितीय से मोहन सिंह परिहार एथलेटिक्स, पंचायती राज विभाग से रामेंद्र प्रताप सिंह टेबिल टेनिस, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कोंच से लोकेश कुमार सिंह क्रिकेट, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कोंच से अनन्त राम वर्मा बालीबाल, पंचायती राज विभाग से ऋषभ शर्मा बैडमिंटन, डी0आर0डी0ए0 विभाग से अखिलेश तिवारी बैडमिंटन, खेल विभाग से मुकेश भारतीय तैराकी, कृषि विभाग से गिरेन्द्र कुमार शर्मा वालीबाल, सिंचाई विभाग से अंकित कुमार सिंह पावर लिफिटिंग, सिंचाई विभाग से किशन पाण्डेय एथलेटिक्स, सिंचाई विभाग से अनिल कुमार तैराकी, कृषि विभाग से हर्ष शर्मा वालीबाल में प्रतिभाग करेंगे।

अब चुर्खी से भी 18 वर्षीय लड़की को भगा ले गया उसका आशिक, नामजद एफआईआर दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -**उरई।** तहसील क्षेत्र के ग्राम चुर्खी में 18 वर्षीय युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पीड़ित पक्ष ने गांव के ही एक युवक के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।पीड़ित ने थाना चुर्खी में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी 18 वर्षीय भांजी उसके ही घर में रह रही थी और वह स्वयं उसकी परवरिश कर रहा था। 11 अगस्त 2026 को घर पर कोई मौजूद नहीं था और युवती घर में अकेली थी। इसी दौरान गांव का ही कल्लू उर्फ संजय जाटव पुत्र श्रीचंद्र युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। काफी तलाश के बाद भी युवती का कोई पता नहीं चल सका। शिकायत के आधार पर थाना चुर्खी पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस युवती की बरामदगी के साथ ही मामले की जांच में जुटी हुई है।

घर के बाहर बैठे युवक व माता-पिता पर पारिवारिकजनों ने किया हमला

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। तहसील क्षेत्र के ग्राम खल्ला में घर के बाहर बैठे युवक और उसके माता-पिता के साथ पारिवारिकजनों द्वारा कथित रूप से एकराय होकर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर थाना चुर्खी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उक्त प्रकरण को लेकर मनमोहन उर्फ मिंटू पुत्र गंभीर सिंह उर्फ पप्पू निवासी ग्राम खल्ला ने थाना चुरखी में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 14 अगस्त 2026 की सुबह करीब नौ बजे वह अपने घर के बाहर बैठा था। आरोप है कि इसी दौरान परिवार के ही लल्ला बाबू उर्फ बाबू सिंह पुत्र मुलु, सुनील कुमार पुत्र लल्ला बाबू तथा राजकुमार उर्फ गोलू पुत्र लल्ला बाबू निवासीगण खल्ला एकराय होकर वहां पहुंचे और बिना किसी बात के उसके साथ गाली-गलौज करने लगे।जब उसने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके पिता गंभीर सिंह और माता मंगला देवी के साथ भी लात-घूंसों से मारपीट की गई। मारपीट में तीनों को चोटें आईं तथा खून भी निकला। आरोप है कि उसके पिता के सिर में गंभीर चोट लगने से सिर फट गया। मारपीट के दौरान आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। मामले में पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर घटना की बिबेचना शुरू कर दी है।

पैतृक मकान का ताला तोड़कर कब्जे करने का लगाया आरोप

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। स्थानीय नगर में पैतृक मकान पर कथित अवैध कब्जा करने का आरोप लगाते हुए मोहल्ला राम चबूतरा निवासी नवीन शर्मा पुत्र रमेश शर्मा ने तहसील कालपी के संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायती पत्र प्रस्तुत किया है।ईह मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर मकान को कब्जे से बचाने की मांग की है।

शिकायतकर्ता पत्र में आरोप लगाते हुए कहा कि मोहल्ला उदनपुरा में स्थित पैतृक मकान में कोई व्यक्ति निवास नहीं करता, जिसके चलते मकान बंद रहता है। आरोप है कि 13 अगस्त की रात करीब 11 बजे आरोपियों ने मकान का ताला तोड़कर कब्जा करने का प्रयास किया।शिकायतकर्ता नवीन शर्मा ने डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस के पहुंचने पर कथित आरोपी मौके से चले गए और जाते समय कथित तौर पर धमकी भी दी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसके बावजूद विवाद थमा नहीं और 15 अगस्त को रात करीब 11 बजे फिर ताला तोड़कर मकान पर कथित रूप से कब्जा कर लिया गया।शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि 112 पर सूचना देने के साथ थाने को भी मामले की जानकारी दी गई, लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि कथित कब्जे के दौरान महिला व उसके साथियों ने दबंगई दिखाते हुए मकान पर कब्जा कर लिया।शिकायतकर्ता के मुताबिक उसने 14 अगस्त को कोतवाली पुलिस को भी प्रार्थना पत्र देकर पैतृक मकान पर कब्जा रोकने की गुहार लगाई जा चुकी है।

रोजगार को परदेश गए परिवार के कालपी स्थित घर मे चोरों ने फिर मारा हाथ

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। स्थानीय नगर के मोहल्ला गणेशगंज में एक सूने मकान को अज्ञात बदमाशों ने निशाना बनाकर चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। परिवार रोजगार के सिलसिले में खागा फतेहपुर गया हुआ था। इसी दौरान बदमाशों ने घर में घुसकर चोरी कर ली। सूचना पाकर सीओ राजेश कमल, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी तथा रामगंज चौकी प्रभारी विशाल भड़ाना पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।बताया जा रहा है कि परिवार के घर पर मौजूद न होने का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने मकान को निशाना बनाया। घटना के बाद मोहल्ले में भी लोगों के बीच चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाए जाने की मांग की है। परिवार के वापस लौटने का इंतजार किया जा रहा है। परिजनों के आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि घर से कौन-कौन सा सामान चोरी हुआ है और चोरी गए सामान की कुल कीमत कितनी है। पुलिस ने मामले की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा सकती है, जिससे बदमाशों की पहचान में मदद मिल सके।

कालपी से फिर भगा ले गया 14 वर्षीय किशोरी को शोहदा, मुकदमा हुआ दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई।तहसील कालपी क्षेत्र के ग्राम भदरेखी में 14 वर्षीय किशोरी के घर से लापता होने के मामले में पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। किशोरी के पिता ने आशंका जताई है कि कोई व्यक्ति उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है।

पीड़ित पिता ने थाना आटा में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 12 अगस्त 2026 की शाम करीब सात बजे उसकी 14 वर्षीय पुत्री बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गई। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारों और परिचितों समेत संभावित स्थानों पर किशोरी की काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद उन्होंने आशंका जताई कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। वादी की शिकायत पर थाना आटा पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच के साथ किशोरी के बारे में जानकारी जुटा रही है।

21 क्वार्टर अवैध देशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। सर्किल कालपी के पुलिस उपाधीक्षक राजेश कमल के निर्देश पर ग्राम कुरौना क्षेत्र में चेकिंग के दौरान एक युवक को 21 क्वार्टर अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार उपनिरीक्षक नीतीश कुमार हमराही अक्षय कुमार, मजीद खान, विवेक कुमार एवं नम्रता पाल के साथ ददरी-कुरौना रोड पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि एक व्यक्ति ग्राम कुरौना की ओर से अवैध देशी शराब लेकर आ रहा है और जल्द कार्रवाई करने पर उसे पकड़ा जा सकता है।सूचना के आधार पर पुलिस टीम मुखबिर के बताए रास्ते की ओर रवाना हुई। खरका-कुरौना रपटा के पास पुलिस टीम ने रपटा से करीब 50 कदम आगे ग्राम कुरौना की ओर जा रहे युवक को घेराबंदी कर पकड़ लिया। आरोपी चंद्रभान उर्फ चंदू पुत्र मैयादीन, निवासी ग्राम कुरौना, थाना आटा को पुलिस ने युवक के कंधे पर रखे झोले की तलाशी ली तो उसमें 21 क्वार्टर अवैध देशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करते चालान कर दिया।

यूपी में 2017 के पहले सपाई हड़प लेते थे गरीबों का राशन कार्ड : मुख्यमंत्री योगी

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ, 17 अगस्त । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राशन कोटेदारों की आस पूरी करते हुए सोमवार को लोकभवन में सिंगल स्टेज डोर-स्टेप डिलीवरी के अंतर्गत ई-पॉस आधारित उचित दर विक्रेता फीडबैक प्रणाली का शुभारंभ किया। योगी ने बटन दबाकर उत्तर प्रदेश के 78 हजार से अधिक उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में हुई वृद्धि (90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति कुंतल) का उपहार दिया। उन्होंने कहा कि मार्जिन मनी में 35 रुपये की वृद्धि (10 रुपये केंद्र सरकार व 25 रुपये राज्य सरकार) से आपने लंबी छलांग लगाई है। हमने 25 रुपये और बढ़ाने के लिए भारत सरकार को पत्र लिखा है। समय लगेगा लेकिन यह कार्य हो गया तो आपके लिए और भी अच्छी व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी राशन वितरण के उचित दर विक्रेताओं से अपील की कि वह कार्य करिए, जिसमें सम्मान हो। जिसमें सम्मान न हो, वह कार्य कभी नहीं करना चाहिए। इससे पीढ़ियां खराब होती हैं, उन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। उन्होंने 2017 के बाद आए बदलाव का जिक्र किया और कहा कि अब कोई आप पर अंगुली नहीं उठा सकता। 2017 के पहले सपाई गरीब का राशन कार्ड अपने घर में रख लेते थे, जिससे वह भूख से मरता था परंतु अब ऐसी स्थिति नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के जरिए प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को लगातार नि:शुल्क राशन मिल रहा है। निराश्रितों/दिव्यांगों का राशन घर तक पहुंचाने की व्यवस्था हो रही है। दो करोड़ परिवारों को फ्री में रसोई गैस के कनेक्शन, 1.53 करोड़ परिवारों को फ्री में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। राशन की 10 हजार दुकानों को अन्नपूर्णा भवन के रूप में स्थापित किया गया है। यह परिणाम राज्य की उन्नति को बताते हैं।मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से पहले उचित दर मूल्य के विक्रेताओं का दर्द बयां किया। उन्होंने कहा कि आप तब भी मेहनत करते थे लेकिन शासन राशन नहीं भेजता था तो गाली आपको खानी पड़ती थी। उनकी लूट का खामियाजा आपको भुगतना पड़ता था। लोग शक की निगाहों से देखते थे। कोटेदार शब्द से ही लोगों को चिढ़ सी होने लग गई थी। गलती आपकी नहीं थी। पाप कोई करता था, भुक्तभोगी कोई और होता था। उस समय सत्तासीन लोगों की नीयत में खोट था। मुख्यमंत्री ने बेसिक शिक्षा परिषद का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि स्कूल का वीडियो बनाएंगे, जरूर बनाएं। हमने ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से हर स्कूल की अच्छी फ्लोरिंग कराई। सरकार बालक-बालिकाओं के लिए अलग टॉयलेट, पेयजल, स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, फर्नीचर, 1.60 करोड़ बच्चों को बैग, किताबें, दो यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्वेटर आदि सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। साल 2017 के पहले स्कूल का भवन नहीं होता था। यदि भवन था तो शिक्षक नहीं, शिक्षक थे तो छात्र नहीं। पेयजल, टॉयलेट न होने से सत्र पूरा होने से पहले ही आधे बच्चे पहले ही स्कूल छोड़कर चले जाते थे। अब निपुण भारत अभियान के तहत यूपी के स्कूली बच्चे अक्षर ज्ञान के साथ ही वाक्य विन्यास में भी पारंगत हुए हैं। विज्ञान, अंग्रेजी, गणित की शिक्षा भी स्कूल में लेते हैं। बच्चे अब अच्छा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग कुछ कर नहीं पाए, वे आरोप-प्रत्यारोप लगाते हैं। ऐसे लोग परिवर्तन को नकारात्मकता में बदलना चाहते हैं। यही स्थिति आप सभी के साथ भी हुई। उचित दर विक्रेताओं के बारे में लोगों की धारणा ठीक हो, इसके लिए सरकार ने वर्ष 2017 में ई-पॉस मशीन लगाना शुरू किया। हमने कहा कि सिंगल डोर स्टेप होगा यानी एफसीआई के गोदाम से सीधे फेयरप्राइस शॉप तक राशन पहुंचाया जाएगा। सरकार व उचित मूल्य विक्रेता के बीच में कोई बैरियर नहीं रहेगा। हम सीधे संवाद बनाएंगे, इससे परिणाम भी सकारात्मक आए।

भाजपा की नई टीम में मुस्लिम नेताओं की नियुक्ति, यूपी चुनाव की तैयारी

(यंग भारत न्यूज)

दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने अपनी नई कार्यकारिणी का ऐलान किया है। इस नई टीम में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को ध्यान में रखते हुए कई प्रमुख चेहरों को शामिल किया गया है। सोमवार को गठित इस टीम में दो मुस्लिम नेताओं को भी शामिल किया गया है, जिनमें तारिक मंसूर और कुंवर बासित अली का नाम शामिल है। तारिक मंसूर यूपी विधानपरिषद के सदस्य हैं, जबकि बासित अली उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। तारिक मंसूर को 2023 में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया था और इस बार भी उन्हें इसी पद पर नियुक्त किया गया है।

भाजपा की नई टीम आगामी 2029 लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनावों के लिए संगठन को मजबूत करने का कार्य करेगी। नितिन नबीन की टीम में कई नए चेहरे शामिल किए गए हैं, और इस चयन में उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखा गया है। इस टीम में कुल 8 चेहरे शामिल हैं, जिनमें से 2 मुस्लिम नेता हैं। डॉ. तारिक मंसूर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति रह चुके हैं। उन्हें उत्तर प्रदेश विधान परिषद का सदस्य मनोनीत किया गया था। मंसूर को पार्टी में एक बौद्धिक और प्रबुद्ध मुस्लिम चेहरे के रूप में देखा जाता है, और वे पसमांदा मुस्लिम समुदाय के बीच भाजपा की पहुंच को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अब उन्हें राष्ट्रीय टीम में शामिल करके भाजपा ने एक बड़ा संदेश दिया है। भाजपा ने कुंवर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वे लंबे समय से जमीनी स्तर पर सक्रिय हैं और उत्तर प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। बासित अली ने पार्टी की कई पहलों का नेतृत्व किया है, जैसे 'कौमी चौपाल', 'मदरसों और दरगाहों में योग सत्र', और 'मोदी मित्र' अभियान। नितिन नबीन के यूपी दौरे के दौरान मुस्लिम समाज और महिलाओं को जोड़ने की रणनीति की अगुवाई भी उन्होंने की थी। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किए गए दोनों मुस्लिम नेता उत्तर प्रदेश से हैं। अगले साल होने वाले यूपी चुनाव से पहले इसे पार्टी की सामाजिक रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। समाजवादी पार्टी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जबकि भाजपा के लिए इस फॉर्मूले को चुनौती देना एक प्रमुख प्राथमिकता है।

आलू के भाव गिरने पर नहीं होगा नुकसान! योगी सरकार ने किसानों के लिए खोला 1000 करोड़ का फंड, मिलेंगी ये 3 बड़ी राहतें

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के आलू किसानों को बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव और बढ़ती खेती की लागत से राहत देने के लिए योगी सरकार ने तीन अहम योजनाएं शुरू की हैं. इन योजनाओं के जरिए किसानों को आलू की उत्पादन लागत, भंडारण और गुणवत्तापूर्ण बीज खरीदने में आर्थिक मदद मिलेगी.

सरकार ने इसके लिए 1000 करोड़ रुपये के भामाशाह भाव स्थिरता कोष की व्यवस्था की है.आलू के बाजार भाव में गिरावट आने पर किसानों को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए भाव स्थिरता योजना लागू की गई है. कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता वाली समिति आलू की उत्पादन लागत तय करेगी. इसके बाद यदि बाजार में आलू की कीमत निर्धारित लागत से कम रहती है तो किसानों को सब्सिडी दी जाएगी. यह सहायता उत्पादन लागत के 25 प्रतिशत या उत्पादन लागत और बिक्री मूल्य के बीच के अंतर में से जो राशि कम होगी, उसके आधार पर तय होगी. फसल को कम दाम पर बेचने की मजबूरी से बचाने के लिए सरकार ने निजी कोल्ड स्टोरेज में आलू रखने वाले किसानों को भी राहत देने का फैसला किया है. योजना के तहत किसानों को भंडारण शुल्क पर अधिकतम 100 रुपये प्रति क्विंटल तक की सहायता मिलेगी. एक किसान को मिलने वाली कुल सब्सिडी की सीमा 20 हजार रुपये निर्धारित की गई है. इससे किसान अपनी उपज को कुछ समय तक सुरक्षित रखकर बेहतर कीमत का इंतजार कर सकेंगे. तीसरी योजना के तहत किसानों को बेहतर गुणवत्ता वाले आलू बीज उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है. विभाग के आधार बीज की बिक्री दर पर किसानों को अधिकतम 1000 रुपये प्रति क्विंटल तक की छूट मिलेगी. सरकार का मानना है कि प्रमाणित और गुणवत्तापूर्ण बीज के इस्तेमाल से आलू की पैदावार और गुणवत्ता दोनों में सुधार हो सकता है. इन तीनों योजनाओं का उद्देश्य किसानों को आलू की खेती के अलग-अलग चरणों में आर्थिक सुरक्षा देना है. सरकार के मुताबिक, बीज खरीदने से लेकर फसल के भंडारण और बाजार में बिक्री तक मिलने वाली मदद से किसानों पर कीमतों में अचानक गिरावट का असर कम होगा.

बीजेपी की नई टीम के 5 बड़े उद्देश्य, आगामी चुनावों के लिए कैसे तैयार हुई नितिन नवीन की ब्रिगेड?

(यंग भारत न्यूज)

भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए अध्यक्ष नितिन नबीन की नई टीम का ऐलान कर दिया है. 17 अगस्त 2026 को घोषित इस टीम में अनुभवी नेताओं के साथ कई ऐसे चेहरों को भी जगह दी गई है, जिनसे पार्टी को आने वाले चुनावी दौर में संगठनात्मक मजबूती की उम्मीद है. नई टीम में स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी मिली है, जबकि राम माधव सौदान सिंह समेत कई वरिष्ठ नेताओं को महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है.

यह बदलाव सिर्फ पदाधिकारियों की सूची में फेरबदल नहीं माना जा रहा. इसके पीछे संगठन को चुनावी जरूरतों के हिसाब से तैयार करने, राज्यों में पार्टी की पकड़ मजबूत करने 2029 के लोकसभा चुनाव की लंबी तैयारी शुरू करने जैसे लक्ष्य देखे जा रहे हैं.नितिन नबीन की नई टीम में अनुभव नई पीढ़ी के बीच संतुलन बनाने की कोशिश दिखाई देती है. एक तरफ वसुंधरा राजे, राम माधव, सौदान सिंह जैसे अनुभवी नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है, वहीं स्मृति ईरानी अन्य नेताओं को संगठन के अहम पद सौंपे गए हैं. इससे साफ संकेत मिलता है कि बीजेपी एक ऐसी राष्ट्रीय टीम बनाना चाहती है जो अलग-अलग राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियों के मुताबिक काम कर सके संगठन को चुनावी मशीनरी के रूप में लगातार सक्रिय रखे.नई टीम के सामने सबसे तत्काल चुनौती 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव हैं. उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के अलावा कई अन्य राज्यों में भी चुनावी मुकाबले होने हैं. उत्तर प्रदेश को लेकर नितिन नबीन पहले ही संगठनात्मक स्तर पर सक्रिय नजर आए हैं. उन्होंने राज्य के सांसदों के साथ बैठक कर जमीनी राजनीतिक स्थिति, जातीय समीकरण कार्यकर्ताओं के मनोबल से जुड़े मुद्दों पर फीडबैक लिया है. इसलिए नई राष्ट्रीय टीम का एक प्रमुख उद्देश्य राज्यों में संगठन को समय रहते चुनावी मोड में लाना हो सकता है. बीजेपी के लिए उत्तर प्रदेश सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण चुनावी मैदान है. 2027 का विधानसभा चुनाव पार्टी के लिए बेहद अहम होगा.नई टीम में उत्तर प्रदेश से जुड़े नेताओं को जिम्मेदारी मिलना इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है. पार्टी को बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने, सामाजिक समीकरणों को साधने कार्यकर्ताओं में सक्रियता बढ़ाने की जरूरत होगी. नितिन नबीन के सामने चुनौती सिर्फ चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर फिर से पूरी तरह सक्रिय रखने की भी है.

तीसरा उद्देश्य: 2029 लोकसभा चुनाव की नींव तैयार करना

बीजेपी की राजनीति में विधानसभा चुनावों को अक्सर अगले लोकसभा चुनाव की तैयारी से जोड़कर देखा जाता है. 2027 के चुनावों के बाद पार्टी के सामने 2029 का लोकसभा चुनाव होगा. नई राष्ट्रीय टीम इसी लंबी रणनीति का शुरुआती ढांचा तैयार कर सकती है. संगठन में बदलाव का मकसद ऐसे नेताओं को आगे लाना भी हो सकता है जो अगले कुछ वर्षों तक अलग-अलग राज्यों में पार्टी की राजनीतिक संगठनात्मक जिम्मेदारियां संभाल सकें. बीजेपी के संगठनात्मक पुनर्गठन को 2029 की तैयारी से जोड़कर भी देखा जा रहा है.

चौथा उद्देश्य: अनुभव नई पीढ़ी का संतुलन

नितिन नबीन की टीम की एक महत्वपूर्ण विशेषता अनुभवी नेताओं अपेक्षाकृत नई पीढ़ी के चेहरों का मेल है.राम माधव सौदान सिंह जैसे नेताओं के पास संगठनात्मक राजनीति का लंबा अनुभव है. दूसरी तरफ स्मृति ईरानी जैसे नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर पार्टी ने सक्रिय राजनीतिक नेतृत्व को संगठन के केंद्रीय ढांचे में प्रमुख भूमिका दी है.इस संतुलन का फायदा यह हो सकता है कि अनुभवी नेता संगठनात्मक रणनीति राजनीतिक प्रबंधन में मार्गदर्शन दें, जबकि नए नेता आधुनिक चुनावी संचार युवा मतदाताओं तक पहुंच बढ़ाने पर काम करें. राष्ट्रीय पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती अलग-अलग राज्यों सामाजिक समूहों को संगठन में प्रतिनिधित्व देना होती है. बीजेपी की नई टीम में भी क्षेत्रीय राजनीतिक विविधता को ध्यान में रखने की कोशिश दिखाई देती है.इसका उद्देश्य सिर्फ नेताओं को पद देना नहीं, बल्कि उनके जरिए अलग-अलग क्षेत्रों में पार्टी का प्रभाव बढ़ाना भी है.विशेषकर ऐसे राज्यों में जहां बीजेपी को संगठनात्मक विस्तार की जरूरत है, राष्ट्रीय पदाधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है.सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर नितिन नबीन ने अपनी टीम के लिए नेताओं का चयन किस आधार पर किया? इसका कोई एक आधिकारिक फॉर्मूला सामने नहीं आया है, लेकिन पार्टी की नई टीम को देखकर कुछ प्रमुख संकेत मिलते हैं. संगठन में लंबे समय तक काम करने का अनुभव, राज्य स्तर पर प्रभाव, चुनावी प्रबंधन की क्षमता अलग-अलग सामाजिक समूहों तक पहुंच जैसे पहलुओं को महत्व दिया गया है. इसके साथ ही आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय संतुलन भी महत्वपूर्ण कारक रहा होगा.

महिलाओं को भी अहम जिम्मेदारी

नई टीम में महिलाओं को महत्वपूर्ण भूमिका देने का संकेत भी दिखाई देता है. स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने को इसी संदर्भ में देखा जा सकता है. स्मृति ईरानी बीजेपी की राष्ट्रीय राजनीति में लंबे समय से सक्रिय रही हैं पार्टी के आक्रामक राजनीतिक संचार का प्रमुख चेहरा रही हैं. संगठन में महामंत्री की भूमिका उन्हें अब राजनीतिक संदेश के साथ-साथ संगठनात्मक जिम्मेदारी भी देगी.बीजेपी की चुनावी ताकत का एक बड़ा आधार उसका संगठन माना जाता है. इसलिए नई टीम के सामने केवल चुनाव प्रचार की रणनीति बनाना पर्याप्त नहीं होगा. पार्टी को बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना, स्थानीय नेतृत्व को मजबूत करना, सदस्यता जनसंपर्क अभियान चलाना तथा सरकार संगठन के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखना होगा. यही वजह है कि नई टीम में संगठनात्मक अनुभव रखने वाले नेताओं को महत्व दिया गया है. नई टीम बनाना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन उसे जमीन पर प्रभावी तरीके से लागू करना बड़ी चुनौती होगी. नितिन नबीन के सामने

अंबेडकरनगर में 95 वर्षीय महिला की हत्या, आईपीएस आशुतोष मिश्रा की मां थीं इंद्रावती; घर में तख्त पर मिला शव

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के अंबेडकरनगर में 95 वर्षीय बुजुर्ग महिला इंद्रावती की हत्या से सनसनी फैल गई। इंद्रावती आईपीएस अधिकारी आशुतोष मिश्रा की मां थीं। रविवार सुबह करीब 9 बजे उनका शव घर के अंदर तख्त पर पड़ा मिला।शव के मुंह से हल्का खून निकल रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।परिजनों के अनुसार, सुबह जब घर के अंदर इंद्रावती का शव देखा गया तो परिवार में हड़कंप मच गया। तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लिया।

बुजुर्ग महिला की मौत सामान्य नहीं मानी जा रही है। मुंह से खून निकलने के कारण पुलिस ने हत्या की आशंका को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू की है। हालांकि महिला की मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।पुलिस ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना के समय घर में कौन-कौन मौजूद था और महिला के घर में किसी बाहरी व्यक्ति के आने-जाने की जानकारी तो नहीं है।घटना के बाद आसपास के इलाके में भी चर्चा का माहौल है। 95 वर्षीय महिला की घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।जांच टीम यह भी पता लगा रही है कि घर में किसी तरह की जबरन घुसने या संघर्ष के निशान हैं या नहीं। इसके अलावा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा सकती है, ताकि घटना से पहले और बाद में संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाया जा सके। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से चोटों और मौत के कारण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है। इसके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।इंद्रावती के आईपीएस बेटे से जुड़ा होने के कारण मामला और भी संवेदनशील हो गया है। पुलिस अधिकारियों की ओर से घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह और आरोपी के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। अंबेडकरनगर में हुई इस घटना के बाद पुलिस की जांच का केंद्र घर और उसके आसपास का इलाका बना हुआ है। पुलिस जल्द से जल्द घटना की पूरी कड़ी जोड़ने और बुजुर्ग महिला की मौत के पीछे की सच्चाई सामने लाने में जुटी है।

बुर्के में हिंदू छात्राओं का भोजपुरी गानों पर डांस, वायरल वीडियो से मचा बवाल! स्कूल पर बीएसए का अल्टीमेटम, अब होगी बड़ी कार्रवाई?

प्रदेश के गोंडा जिले से स्वतंत्रता दिवस समारोह से जुड़ा एक वीडियो सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। वायरल वीडियो में कुछ छात्राएं बुर्का पहनकर भोजपुरी गानों पर डांस करती दिखाई दे रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इन छात्राओं को हिंदू बताया जा रहा है। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने के बाद मामले ने राजनीतिक और सामाजिक चर्चा का रूप ले लिया है।

(यंग भारत न्यूज)

मामला गोंडा के एक स्कूल में आयोजित स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम से जुड़ा बताया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने अलग-अलग प्रस्तुतियां दीं, लेकिन बुर्का पहनकर डांस करने वाली प्रस्तुति का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोगों का ध्यान उसी पर चला गया। वीडियो को लेकर तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं और इसी वजह से प्रशासन ने भी मामले को गंभीरता से लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, वीडियो सामने आने के बाद बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से स्कूल प्रबंधन से स्पष्टीकरण मांगा गया है। अधिकारियों ने कार्यक्रम में छात्राओं को इस तरह की पोशाक में प्रस्तुति देने की अनुमति कैसे दी गई, इस पर जवाब मांगा है। यानी अब विवाद केवल वायरल वीडियो तक सीमित नहीं है, बल्कि स्कूल में कार्यक्रम के आयोजन और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई है। इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर बहस भी तेज हो गई है। कुछ लोग इसे सांस्कृतिक प्रस्तुति मान रहे हैं, जबकि कुछ लोग स्कूल के कार्यक्रम में इस तरह की प्रस्तुति पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि वायरल वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर चल रहे दावों और आरोपों को अंतिम सत्य मानने से पहले प्रशासनिक जांच के नतीजे का इंतजार करना जरूरी है। यह पहली बार नहीं है जब गोंडा में बुर्का पहनकर छात्राओं के डांस का वीडियो वायरल होने के बाद विवाद हुआ हो। इससे पहले भी जनवरी 2026 में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम से जुड़े ऐसे वीडियो सामने आए थे, जिनमें छात्राओं को बुर्के में बॉलीवुड और अन्य गानों पर डांस करते देखा गया था। उस समय भी वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हुई थी।फिलहाल इस नए वीडियो ने स्कूल प्रशासन के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में छात्राओं को बुर्के में डांस करने की अनुमति किसने दी और क्या प्रस्तुति से पहले स्कूल ने नियमों का पालन किया था? बीएसए की जांच और स्कूल की ओर से दिए जाने वाले जवाब के बाद ही यह साफ होगा कि वायरल वीडियो के पीछे पूरी कहानी क्या है और आगे किस पर कार्रवाई होती है।

सिनसिनाटी ओपन : पहले ही दौर में बाहर हुए जोकोविच

अर्जेंटीना के अगस्टिन तिरांते ने जोकोविच को हराया

मेसन

विंबलडन के सेमीफाइनल में हारने के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट में खेल रहे नोवाक जोकोविच सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में हारकर बाहर हो गए।

अर्जेंटीना के 25 वर्ष के खिलाड़ी थियागो अगस्टिन तिरांते ने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच को 7-6, 6-4, 6-4 से हराया। यह मैच गर्म और उमस भरे मौसम में दो घंटे 44 मिनट तक चला। तिरांते विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर है। तीन बार सिनसिनाटी चैंपियन रह चुके और रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज 39 वर्षीय जोकोविच विंबलडन के सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हार गए थे। जोकोविच को अब अमेरिकी ओपन में खेलना है, जो 30 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होगा।

एलेक्जेंड्रा का शानदार प्रदर्शन, गैब्रिएला रूसे को हराया

महिला वर्ग में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला ने गैब्रिएला नीकोला रूसे को हरा कर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। रूसे ने पहला सेट गंवाया लेकिन टखने की चोट के कारण वह आगे खेल जारी नहीं रख पाई। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज एला ने इसी महीने की शुरुआत में वाशिंगटन में अपना पहला डब्ल्यूटीए एकल खिताब जीता था और उन्होंने अपने पिछले 9 मैचों में से आठ जीते हैं। अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने जिनेवा वाल्टर्ट को 6-3, 6-2 से हराकर 2026 में हार्ड कोर्ट पर अपना रिकॉर्ड 25-6 कर लिया। तीसरे नंबर की खिलाड़ी पेगुला ने 2024 में सिनसिनाटी में खिताब जीता था।

पहले राउंड में हारीं वीनस, लगातार 13वां मैच गंवाया

ओहायो। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स का एकल में हारने का सिलसिला जारी है। सिनसिनाटी ओपन के पहले राउंड में वीनस को कोलंबियाई क्वालीफायर एमिलियाना अरांगो से 6-2, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। 46 साल की अमेरिकी खिलाड़ी को डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट के लिए वाइल्डकार्ड एंट्री दी गई थी, लेकिन वह अभी भी एकल मैच न जीतने का अपना सिलसिला खत्म नहीं कर पाईं। उनका हार का सिलसिला जुलाई 2025 से जारी है। 25 साल की क्वालीफायर अरांगो ने लिंडनर टेनिस सेंटर के ग्रैंडस्टैंड कोर्ट पर विलियम्स को एक घंटे और पांच मिनट में हरा दिया। विलियम्स की शुरुआत मुश्किल तरीके से हुई क्योंकि पहले गेम में उनकी सर्व टूट गई थी, और उन्हें एक ऐसे खिलाड़ी के खिलाफ मैच में वापस आने में परेशानी हुई जो लगातार दबाव बना रहा था।

खबर संक्षेप

पाक महिला टीम का मुख्य कोच बने रहेंगे रियाज

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने यूएई में होने वाले आगामी एशिया कप और जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए राष्ट्रीय महिला टीम के मुख्य कोच नवाब रियाज और सहयोगी स्टाफ के अन्य सदस्यों को बरकरार रखा है। पाकिस्तान ने सीनियर बल्लेबाज आलिया रियाज को एशियाई खेलों के लिए टीम में शामिल किया है लेकिन सिदरा अमीन और सदाफ शम्स को फिर से नजरअंदाज कर दिया है। नियमित कप्तान फातिमा सना दोनों टूर्नामेंटों में टीम की कप्तानी करेंगी। एशिया कप 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें पाकिस्तान को हांगकांग-चीन, भारत और थाईलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है।

फॉर्मूला ई भारत में वापसी के लिए उत्सुक

लंदन। फॉर्मूला ई के सह-संस्थापक अल्बर्टो लोंगो ने कहा कि यह चैंपियनशिप भारत में वापसी करने के लिए उत्सुक है, लेकिन भारत के किसी शहर को मेजबानी की इच्छाशक्ति दिखानी होगी। ऑल-इलेक्ट्रिक विश्व चैंपियनशिप ने फरवरी 2023 में हैदराबाद ई-प्री के साथ भारत में अपनी शुरुआत की थी, लेकिन तेलंगाना में सरकार बदलने के बाद अगले वर्ष इस रेस को रद्द कर दिया गया, क्योंकि नई सरकार ने इसमें किसी तरह की दिलचस्पी नहीं दिखाई। लोंगो ने कहा कि फॉर्मूला ई अब भी उस बाजार में वापसी करने के लिए तैयार है, जिसे वह 'इलेक्ट्रिक मोबिलिटी' के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक मानते हैं। लोंगो ने कहा, 'हम भारत वापस जाना चाहेंगे लेकिन दुर्भाग्य से अभी इसको लेकर हमारी कोई बातचीत नहीं चल रही है। फॉर्मूला ई के लिए यह इतना महत्वपूर्ण बाजार है कि हम निश्चित रूप से वहां वापस जाना चाहेंगे।' उन्होंने कहा, 'फॉर्मूला ई प्रतियोगिता की मेजबानी करने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए।

पहला टेस्ट : भारत ने 9 विकेट पर बनाए 460 रन, पडिक्कल ने बनाए 167

पडिक्कल के शतक के दम पर टीम इंडिया ने खड़ा किया विशाल स्कोर

जुरेल ने खेली अर्धशतकीय पारी

गॉल

देवदत्त पडिक्कल की 167 रन की शानदार पारी भारत के बूते भारत ने दो मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट के बारिश से प्रभावित दूसरे दिन रविवार को श्रीलंका के खिलाफ दिन का खेल खत्म होने तक 9 विकेट पर 460 रन बना लिए। रविवार को सिर्फ 43 ओवर का खेल संभव हुआ और इस दौरान श्रीलंका के स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजों को खासा परेशान किया। स्टंप्स के समय कुलदीप यादव 12 और प्रसिद्ध कृष्णा एक रन बनाकर क्रीज पर थे।

पडिक्कल ने पूरा किया अपना पहला 150 रन

131 रन से आगे खेलने उतरे पडिक्कल ने तेज गेंदबाज असिथ फर्नांडो की गेंद पर चौका लगाकर 215 गेंदों में अपना पहला 150 रन पूरा किया। उनके इस उपलब्धि पर पहुंचने से पहले ही भारत को प्रथम पारी के रूप में बड़ा झटका लग चुका था। दिन की शुरुआत 27 रन करने वाले पंत को अक्सर अपनाने का खामियाजा भुगतना पड़ा। ऑफ स्पिनर जेफरी वांडरसे की गेंद पर उनका हवा में लहराता गया कमजोर शॉट मिड-ऑफ की दिशा में लेकिन विमुक्ति के हाथों में चला गया। इसके बाद केएल राहुल बल्लेबाजी के लिए आए। पिछले दिन पेट्स के कारण 77 रन पर रिटायर हर्ट हुए राहुल अपने स्कोर में सिर्फ पांच रन जोड़ सके। कुमार की गेंद के टर्न और उछाल को वह समझ नहीं पाए और शॉर्ट लेग पर निशान मधुशंका को आसान कैच दे बैठे। महज 12 रन देकर दो बड़े विकेट हासिल करने से श्रीलंकाई गेंदबाजों का आत्मविश्वास बढ़ा। भारत तब तक पांच विकेट पर 364 रन बना चुका था। इसके बाद रवींद्र जडेजा को कुमार (13) ने पगबाधा किया।

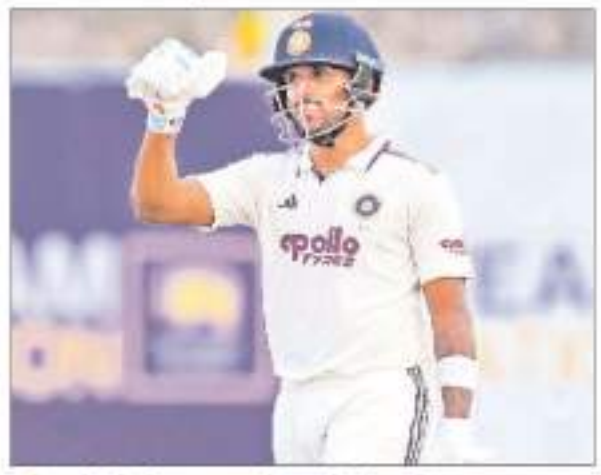

जुरेल ने खेली 51 रन की उपयोगी पारी

पिछले कुछ मैचों से रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे जुरेल ने शानदार वापसी करते हुए 51 रन की उपयोगी पारी खेली। उनकी पारी में किस्मत का भी साथ रहा। 29 रन के निजी स्कोर पर स्लिप में श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डि सिल्वा ने जयसूर्या की गेंद पर उनका आसान कैच छोड़ दिया। जुरेल ने इस जीवनदान का फायदा उठाते हुए आठ पारियों के बाद पहली बार अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने कुमार की गेंद को मिडविकेट के ऊपर से छक्का जड़ा और लाहिरु कुमारा की गेंद पर चौका भी लगाया।

जुरेल ने सुथार के साथ जोड़े 55 रन

जुरेल ने मानव सुथार (24) के साथ सातवें विकेट के लिए 55 रन जोड़े। जयसूर्या की गेंद पर धनंजय डि सिल्वा ने जुरेल का शानदार कैच लपक कर अपनी पिछली गलती की भरपाई कर दी। सुथार ने इसके बाद मोहम्मद सिराज (11) के साथ टीम के स्कोर को 447 रन तक पहुंचाया लेकिन इसी स्कोर पर दोनों बल्लेबाज आउट हो गए।

भारतीय महिला टीम का दमदार आगाज चीन को जीत से रोका

एम्सटेलवीन

महिला हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में महिला टीम इंडिया ने चीन के सामने दमदार प्रदर्शन किया। भारत ने चीन के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला, जिसके चलते भारतीय महिला टीम वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार चीन को किसी मैच में हराने से चूक गई। लेकिन चीन के दबदबे को देखा जाए तो भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए यह ड्रॉ किसी जीत से कम नहीं है, क्योंकि चीन वर्ल्ड नंबर चार की टीम है और उसे जीत से दूर रखकर महिला टीम इंडिया ने शानदार काम किया है। मगर भारतीय टीम साल 1998 से चली आ रही राइवलरी में 28 साल बाद भी हॉकी के खेल में चीन से जीत दर्ज नहीं कर सकी है। वहीं, महिला टीम ने शानदार डिफेंस का नजारा पेश किया और चार पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने वाली चीन सिर्फ एक में ही गोल कर सकी। मजबूत डिफेंस से टीम इंडिया ने चीन को जीत से दूर रखा।

पहले क्वार्टर में हुए दो गोल

चीन के खिलाफ मैदान में उतरी भारतीय महिला हॉकी टीम जबरदस्त फॉर्म में नजर आ रही थी। मैच की शुरुआत में ही भारत की नवनीत कौर ने हॉकी स्टिक से जादू बिखेर दिया। मैच के पांचवें मिनट में जब भारत पहले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर सका, तो इसके बाद आठवें मिनट में नवनीत ने चीन के डिफेंस को चकमा देते हुए बेहतरीन फील्ड गोल दाग दिया। इससे महिला टीम इंडिया पहले क्वार्टर में ही 1-0 से आगे हो गई थी।

आज से विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप, सिंधू पर नजर

नई दिल्ली

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू सोमवार से शुरू हो रही बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में घरेलू दर्शकों के सामने अपने नए आत्मविश्वास के साथ इतिहास रचने की कोशिश करेंगी।

भारत 17 साल बाद इस चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है सिंधू सहित भारतीय खिलाड़ी इसका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। सिंधू अब तक विश्व चैंपियनशिप में पांच बार पदक जीत चुकी हैं और वह रिकॉर्ड छठा पदक जीतने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेंगी। उन्होंने इससे पहले विश्व चैंपियनशिप में एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं।

यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप: ब्रिटिश रिले टीमों का दबदबा, एमी हंट ने जीता गोल्ड

बर्मिंघम

ब्रिटेन की एमी हंट ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी करते हुए महिला रिले दौड़ में अपनी टीम को पहला स्थान दिलाकर यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तीसरा स्वर्ण पदक जीता। ब्रिटेन ने पुरुषों और महिलाओं दोनों की चार गुणा 100 मीटर रिले जीतकर फर्राटा दौड़ में अपना दबदबा बरकरार रखा।

हंट ने इससे पहले 100 और 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीते थे। ब्रिटेन की महिला टीम ने उनकी अगुवाई में चार गुणा 100 मीटर की दौड़ 42.05 सेकंड में पूरी की। ब्रिटेन ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ 38.45 सेकंड में पूरी करके स्वर्ण पदक जीता।

माहुचिख ने लगातार तीसरी बार जीता ऊंची कूद का खिताब

इस बीच यूक्रेन की ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक यारोस्लावा माहुचिख ने 1.97 मीटर की छलांग लगाकर यूरोपीय चैंपियनशिप में लगातार तीसरी बार ऊंची कूद का खिताब जीता। यूक्रेन के लिए यह मौजूदा चैंपियनशिप का पहला स्वर्ण पदक है। आयरलैंड की केट ओकॉनर ने महिला हेप्टाथलॉन में स्वर्ण पदक जीता। स्पेन की मारिया पेरेज ने हाफ मैराथन में एक घंटे 31 मिनट छह सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

स्लोवाकिया के लिए रवाना हुई अंडर-20 महिला कुश्ती टीम

रोहतक। स्लोवाकिया के ब्रातिस्लावा में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2026 के लिए भारतीय महिला कुश्ती टीम पूरी तैयारी और जोश के साथ रवाना हो चुकी है। 18 अगस्त से शुरू हो रही इस महाकुंभ में भारतीय पहलवानों से देश को एक बार फिर स्वर्णिम प्रदर्शन की उम्मीद है। पिछले साल अपराजेय रही भारतीय टीम इस बार खिताब पर कब्जा जमाने के इरादे से मैट पर उतरेगी। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने टीम को रवानगी के अवसर पर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी युवा महिला पहलवानों की इस प्रतिभाशाली टीम पर पूरा भरोसा है। इन खिलाड़ियों ने कड़े अभ्यास और अनुशासन के दम पर विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। स्लोवाकिया के मैट पर आपका हर दांव देश का मान बढ़ाए। पूरा 140 करोड़ भारतीयों का देश आपके साथ है। मैदान पर जाइए, पूरी ताकत से लड़िए और देश के लिए स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचिए।

हॉकी वर्ल्ड कप: इंग्लैंड से आज कांटे की टक्कर, आखिरी बार तीन दशक पहले हराया था

30 साल का इतिहास बदलने उतरेगा भारत

एम्सटेलवीन

निचली रैंकिंग वाले वेल्स के खिलाफ पहले मैच में जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम के सामने एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप में सोमवार को विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड के रूप में पूल चरण की सबसे कठिन चुनौती होगी, जिसे विश्व कप में आखिरी बार उसने तीन दशक पहले हराया था।

हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने शनिवार को पहले मैच में विश्व रैंकिंग में अपने से छह पायदान नीचे 15वें स्थान पर काबिज वेल्स को 3-1 से मात दी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए, जबकि संजय ने भी पहला गोल पेनल्टी कॉर्नर पर दागा। दूसरी ओर इंग्लैंड ने पाकिस्तान को पूल डी के एक अन्य मैच में 4-1 से मात दी।

हम मैच दर मैच फोकस करेंगे : हरमनप्रीत

प्रो लीग के खराब प्रदर्शन के बारे में पूछने पर कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, 'खेल में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं लेकिन हमारा फोकस अभी विश्व कप पर है। हम बेहतर तैयारी के साथ आये हैं और टीम फॉर्म में है। हम मैच दर मैच फोकस करेंगे और गोल करने के ज्यादा से ज्यादा मौके बनाने पर फोकस होगा। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले मानसिक दृढ़ता के लिए स्विट्जरलैंड में तीन दिन के बूट कैंप के अनुभव का इस्तेमाल भारत को इस मैच में करना पड़ेगा।

सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए मैच अहम

विश्व कप के बदले प्रारूप में हर मैच का परिणाम काफी मायने रखेगा और भारत ने इससे अधिक अंतर से जीत की उम्मीद की। पहले हर पूल की शीर्ष दो-दो टीमें क्वार्टर फाइनल खेलती थीं लेकिन इस बार हर पूल से शीर्ष दो टीमें दूसरे दौर का पूल चरण खेलेंगी, जिसमें 8 टीमें होंगी। इस चरण में दो पूल ई और एफ होंगे, जिनमें चार-चार टीमें रहेंगी लेकिन वे तीन नहीं बल्कि दो-दो मैच खेलेंगी। यानी अगर भारत और इंग्लैंड दोनों अगले दौर में जाते हैं तो उनका एक दूसरे से सामना नहीं होगा और पहले पूल चरण के अंक ही आगे जाएंगे और भारत की सेमीफाइनल संभावनाओं के लिए यह मैच अहम है। पूल ई और एफ की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी।

बांग्लादेश ने किया उलटफेर ऑस्ट्रेलिया को दी शिकस्त

डार्विन

बांग्लादेश ने दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन ही 9 विकेट से करारी शिकस्त देकर इतिहास रच दिया। यह उसकी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर पहली और कुल मिलाकर दूसरी जीत है। बांग्लादेश की पहली पारी में महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाने वाले मेहदी हसन मिराज ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाया और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में 5 विकेट लेकर उसे 284 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया केवल 56 रन की बढ़त ही हासिल कर पाया।

बांग्लादेश के कैमरन ग्रीन ने जड़ा तीसरा टेस्ट शतक

कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने कहा, 'किसी भी प्रारूप में बांग्लादेश की यह अब तक की सबसे बड़ी जीत है। हम भविष्य में कुछ खास करेंगे।' कैमरन ग्रीन ने अपना तीसरा टेस्ट शतक और ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला शतक बनाया। उन्होंने 201 गेंदों में 104 रन बनाए लेकिन इससे ऑस्ट्रेलियाई पारी की हार को टाल पाया। बांग्लादेश के सामने केवल 57 रन का लक्ष्य था लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जोश हेजलवुड ने पहली पारी में शतक लगाने वाले तंजीद हसन को शून्य पर आउट कर दिया, लेकिन शादमान इस्लाम (नाबाद 25) और मोमिनुल हक (नाबाद 30) ने संयम बनाए रखते हुए अपनी टीम को 14.2 ओवरों में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

आज के दौर में बड़ी समस्याएं ही नहीं छोटी-छोटी बातों से भी लोग तनाव में रहते हैं। इसे माइक्रो स्ट्रेस कहते हैं। मेंटली हेल्दी-हैप्पी रहने के लिए इनको जानना और इनसे बचना बहुत जरूरी है।

माइक्रो स्ट्रेस से ऐसे बचें रहें मेंटली हेल्दी-हैप्पी

मेंटल हेल्थ

ललिता गोयल

आजकल स्ट्रेस सबकी लाइफस्टाइल का हिस्सा बन गया है। डेली रुटीन की सुबह से लेकर शाम तक होने वाली छोटी-छोटी परेशानियां जिन पर हम अकसर ध्यान भी नहीं देते, इन छोटे-छोटे स्ट्रेस को माइक्रो स्ट्रेस कहते हैं।

तन-मन पर पड़े बुरा असर: माइक्रो स्ट्रेस बहुत चुपके से जिंदगी में दाखिल होता है और अंदर ही अंदर मेंटली बीमार करता रहता है। जैसे किसी छोटी-सी बात पर किसी से बहस हो जाना, ऑफिस में जरूरी मीटिंग में प्रेजेंटेशन वाला स्ट्रेस, बहुत सारे काम एक साथ मैनेज न कर पाने पर कॉन्फिडेंस की कमी महसूस करना, अपनों को समय न दे पाने का प्रेशर। ये बातें देखने में छोटी लगती हैं, लेकिन इन छोटे-छोटे स्ट्रेस का मन और शरीर पर बड़ा असर होता है। हर समय थकान, चिड़चिड़ापन होने लगता है और अगर इस पर ध्यान न दिया गया तो माइक्रो स्ट्रेस गंभीर रूप ले सकता है।

माइक्रो स्ट्रेस के प्रकार: कुछ ऐसी बातों से माइक्रो स्ट्रेस हो सकता है। जैसे-सुबह ऑफिस के लिए निकलते समय गाड़ी की चाबी का न मिलना। वॉट्सएप पर किसी का मैसेज देखकर तुरंत जवाब देने का दबाव महसूस होना। ट्रैफिक जाम में फंस जाना। काम के बीच अचानक और कोई नया काम आ जाना। अचानक कहीं से आए इनविटेशन पर जाने का प्रेशर। काम की छोटी-छोटी डेड लाइंस का प्रेशर। परिवार या कलीग्स से छोटी बातों पर बहस। हर समय अवेलेबल रहने की उम्मीद रखना। देखने में ये बातें इतनी छोटी होती हैं कि इन पर गुस्सा या दुःख जाहिर नहीं कर पाते, लेकिन ये माइक्रो स्ट्रैसर्स शरीर के कॉर्टिसोल स्ट्रेस हार्मोन को निरंतर बढ़ाते हैं, जिससे धीरे-धीरे फोकस में कमी और मूड स्विंग्स होने लगते हैं और ओवरऑल हेल्थ इफेक्ट होती है।

प्रमुख लक्षण: माइक्रो स्ट्रेस की स्थिति में व्यक्ति दिनभर की छोटी-छोटी बातों को सोचता रहता है, जिसके कारण उसे आराम नहीं मिल पाता और उसकी सेहत पर नेगेटिव असर होता है। इस वजह से व्यक्ति में चिंता, बेचैनी, गुस्सा, चिड़चिड़ापन, थकान, उदासी, फोकस की कमी, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, अनिद्रा, इम्यूनिटी वीक होने लगती है।

इन्हें है ज्यादा रिस्क: सेंसिटिव लोगों को माइक्रो स्ट्रेस का जोखिम ज्यादा रहता है। एजुकेशन और हेल्थ केयर से जुड़े लोग या कॉर्पोरेट एंप्लॉई या फिर हर काम में परफेक्शन की चाह रखने वाले लोगों में माइक्रो स्ट्रेस का रिस्क ज्यादा दिखाई देता है। कुछ केसेज में पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में बैलेंस न होना, हॉबीज के लिए समय न मिल पाना, मोबाइल या लैपटॉप का ज्यादा इस्तेमाल, खुद से बहुत ज्यादा उम्मीदें रखना, हर काम को परफेक्ट करने की कोशिश करना, परिवार या दोस्तों के लिए समय की कमी, हर वक्त नोटिफिकेशन रिंग से डिस्टर्ब होना भी माइक्रो स्ट्रेस को बढ़ाने का कारण बन सकती है।

कंट्रोल करने के तरीके: माइक्रो स्ट्रेस को कंट्रोल करना आसान है लेकिन इसके लिए पहले उन बातों को पहचानने की जरूरत होती है जो बातें रोज की जिंदगी में बार-बार परेशान कर रही हैं। जब भी अचानक बिना किसी बड़ी वजह के उदासी या गुस्सा आए, तो दो मिनट रुकें और खुद से पूछें कि सुबह से ऐसी कौन-सी छोटी-छोटी बातें हुईं, जिनसे मूड खराब हुआ। जब आप समस्या को पहचान लेते हैं, तो दिमाग शांत होने लगता है रोजाना की आदतों और लाइफस्टाइल में बदलाव करके माइक्रो स्ट्रेस को कंट्रोल किया जा सकता है। जो काम करना संभव न हो उसके लिए 'ना' कहें। काम के बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें, सुबह-शाम खुली हवा में वॉक करें। स्क्रीन टाइम लिमिट करें। बार-बार फोन चेक करने की आदत को कम करें। दिन में कुछ समय डिजिटल डिटॉक्स के लिए निकालें। मेडिटेशन और ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें। छोटी-छोटी खुशियों जैसे पसंदीदा संगीत सुनना, चाय की चुस्की लेने जैसी हैबिट को अपनी लाइफ में जगह दें। परिवार और दोस्तों से जुड़े रहें। स्ट्रेस को ज्यादा समय तक मन में न रखें। पर्याप्त नींद लें। *

(साइकोलॉजिस्ट मीनाक्षी मनचंदा से बातचीत पर आधारित)

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. नीलम अत्रि

नेत्र रोग विशेषज्ञ, [illegible] आई सेंटर, दिल्ली

हम अकसर यह सोचते हैं कि हमारी आंखों को सबसे ज्यादा नुकसान फोन की स्क्रीन से होता है। रात को देर तक मोबाइल चलाना, टीवी के सामने घंटों बैठे रहना, यही सब उन्हें आंखों का असली दुश्मन लगता है। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि हमारी कुछ बुरी आदतें भी ऐसी हैं, जो हर रोज बिना किसी वार्निंग के आंखों को धीरे-धीरे कमजोर कर रही होती हैं। इनकी वजह से भविष्य में आंखों से संबंधित कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। जब तक पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। ऐसे में हमें इनके प्रति सजग रहना जरूरी है।

हमारे शरीर की बहुत कोमल और महत्वपूर्ण अंग होती हैं आंखें। लेकिन अकसर देखने में आता है कि लोग आइज हेल्थ को लेकर ज्यादा सजग नहीं होते हैं। इसीलिए जाने-अंजाने ऐसी हैबिट्स को अपनाए रहते हैं, जो आंखों के लिए हार्मफुल होती हैं। इनके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए, ताकि इन्हें छोड़कर अपनी आंखों को हमेशा स्वस्थ रख सकें।

ये बैड हैबिट्स होती हैं आंखों के लिए हार्मफुल

गलत दूरी-पोश्चर में पढ़ना

बहुत पास से किताब पढ़ना, लेटकर मोबाइल चलाना या कम रोशनी में काम करना, ये सब आदतें आंखों पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं। खासकर बच्चों में यह आदत निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) बढ़ाने का बड़ा कारण बनती हैं।

क्या करें: पढ़ते समय किताब को आंखों से कम से कम 12-14 इंच की दूरी पर रखें। स्क्रीन को आंखों के लेवल से थोड़ा नीचे और लगभग एक हाथ की दूरी पर रखें। हमेशा पर्याप्त रोशनी में ही पढ़ने-लिखने का काम करें।

बार-बार आंखें मलना

दिन भर काम करते-करते जब भी आंख में हल्की-सी खुजली होती है, हम बिना सोचे-समझे हाथ से आंख को रगड़ने लगते हैं। यह बहुत नॉर्मल लगता है। आमतौर पर हमें लगता है कि यह आलस या नींद पूरी न होने की वजह से हो रहा है। जबकि इसके पीछे एलर्जी, ड्राई आइज या इंफेक्शन की शुरुआत होने जैसे कारण हो सकते हैं। लेकिन हमें एहसास ही नहीं होता कि इस आदत के कारण अपनी आंखों का कितना बड़ा नुकसान कर रहे हैं। दिन भर में हमारे हाथ कई चीजों को छूते हैं, जिन पर मौजूद जर्म्स और बैक्टीरिया हमारे हाथों पर चिपक जाते हैं। जब हम आंखें मलते हैं, तो वे आंख के अंदर पहुंच जाते हैं। इससे इंफेक्शन का खतरा तो बढ़ता ही है, आंखों को नुकसान भी पहुंचता है। बार-बार जोर से आंख मलने से कॉर्निया यानी आंख का वह पतला सामने वाला हिस्सा कमजोर पड़ने लगता है। धीरे-धीरे वह अपनी नेचुरल शेप खो देता है और कोन जैसे शेप में बदल सकता है। इसे केराटोकोनस कहा जाता है। ध्यान न देने पर यह आगे चलकर आंखों की रोशनी कम हो सकती है।

क्या करें: जब आंख में खुजली हो तो उसे मलने की बजाय ठंडे पानी से धोएं। अगर खुजली बार-बार हो रही है तो समुचित उपचार के लिए नेत्र विशेषज्ञ से अवश्य मिलें।

सस्ते सनग्लासेस पहनना

गर्मी के मौसम में धूप में निकलते समय हम डार्क कलर के लेंस वाले और सस्ते सनग्लासेस पहनते हैं। इन्हें अकसर अनब्रांडेड ही लेते हैं। बेशक अल्ट्रावॉयलेट रेज से आंखों का बचाव करने के लिए सनग्लासेस पहनना उचित है। लेकिन ऐसे सनग्लासेस फायदे की जगह उल्टा नुकसान पहुंचा सकते हैं। लेंस का डार्क कलर देखकर हमारा ब्रेन समझता है कि बाहर अंधेरा है और आंखों की काली पुतली (प्यूपिल) अपने आप फैल जाती है, जिससे हार्मफुल अल्ट्रावायलेट किरणें आंखों के रेटिना और लेंस तक ज्यादा मात्रा में पहुंचने लगती हैं। लंबे समय तक इनके इस्तेमाल से मैकुलर डिजनरेशन जैसी बीमारियां होने का खतरा रहता है, जिनसे आंखों की रोशनी धीरे-धीरे कम होने लगती है।

क्या करें: सनग्लासेस यथासंभव आइज-स्पेशलिस्ट को कंसल्ट करके या किसी अच्छी दुकान से ही खरीदें। खरीदते समय हमेशा लेबल या पैकेजिंग पर लिखी जानकारी जरूर पढ़ें। चेक करें कि उस पर यूवी 400 या शत-प्रतिशत यूवी प्रोटेक्शन लिखा हो। सनग्लासेज के लेंस के रंग का भी ध्यान रखें यानी बहुत डार्क कलर के सनग्लासेज लेना अवॉयड करें। यह हार्मफुल हो सकता है।

कांटेक्ट लेंस से जुड़ी लापरवाही

समयाभाव या आलस के चलते रात में सोने से पहले कई लोग कांटेक्ट लेंस नहीं उतारते और उन्हें पहनकर ही सो जाते हैं। या उन्हें बिना ठीक से साफ किए इस्तेमाल करते रहते हैं। इसका आंखों पर बहुत असर पड़ता है, क्योंकि सोते समय हमारी आंखें बंद रहती हैं और कॉर्निया तक ऑक्सीजन की सप्लाई नेचुरली कम मात्रा में हो पाती है। ऊपर से अगर सोते हुए कांटेक्ट लेंस लगाने पर ऑक्सीजन की सप्लाई और भी कम हो जाती है, क्योंकि लेंस एक तरह की परत की तरह काम करता है। इस कंडीशन को हाइपोक्सिया कहा जाता है। हाइजीन का ध्यान न रखने पर आंखों में कैरेटाइटिस इंफेक्शन होने का खतरा रहता है। जो कॉर्निया को बुरी तरह नुकसान पहुंचाता है और कुछ मामलों में व्यक्ति को पूरी तरह से विजन लॉस तक हो सकता है।

क्या करें: चाहे कितनी भी थकान क्यों न हो, सोने से पहले कांटेक्ट लेंस जरूर निकालें। डॉक्टर की सलाह के अनुसार साफ करें और सही तरीके से सॉल्यूशन में स्टोर करें। लेंस पहनने-उतारने से पहले हाथों को अच्छी तरह धोएं। साथ ही नहाते या स्विमिंग करते समय कांटेक्ट लेंस न पहनें क्योंकि पानी में मौजूद बैक्टीरिया भी उतनी ही आसानी से आंख में इंफेक्शन फैला सकते हैं। भले ही कांटेक्ट लेंस देखने में कितने भी अच्छे क्यों न लगें, एक्सपायरी डेट खत्म होने के बाद उन्हें इस्तेमाल न करें।

बहुत कम या तेज रोशनी में पढ़ना

कम रोशनी में पढ़ने से आंखों को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है और जल्दी थकान महसूस हो सकती है। इसी तरह बहुत तेज या सीधे आंखों पर पड़ने वाली रोशनी भी असुविधा पैदा कर सकती है। इससे आंखों में तनाव और असहजता बढ़ सकती है।

क्या करें: पढ़ते या काम करते समय कमरे में पर्याप्त और समान रोशनी रखें। रोशनी सीधे आंखों में पड़ने के बजाय किताब या काम की जगह पर पड़े। रात में मोबाइल की तेज रोशनी में लंबे समय तक पढ़ने से बचें।

रुटीन आई चेकअप ना करवाना

ज्यादातर लोग तभी डॉक्टर के पास जाते हैं, जब आंखों में धुंधला दिखना या दर्द होने जैसी कोई समस्या होने लगती है। लेकिन असली खतरा ग्लूकोमा जैसी बीमारियों से होता है, जिसे साइलेंट थीफ ऑफ साइट भी कहा जाता है। ग्लूकोमा चुपचाप बिना किसी दर्द या तकलीफ के आंखों को नुकसान पहुंचाता रहता है। जब तक व्यक्ति को कुछ महसूस होता है तब तक काफी नुकसान हो चुका होता है। इसीलिए रेग्युलर आई चेकअप बहुत जरूरी है। रेग्युलर आई चेकअप व्यक्ति की आंखों की रोशनी बचा सकता है। बहुत से लोग सोचते हैं कि जब तक चश्मे का नंबर नहीं बदला तब तक डॉक्टर के पास जाने की कोई जरूरत नहीं। लेकिन यह सोच गलत है। आई एग्जामिनेशन सिर्फ नंबर चेक करने के लिए नहीं होता बल्कि उसमें आंखों के अंदर का प्रेशर, रेटिना की कंडीशन और नसों की सेहत भी देखी जाती है। जो सिर्फ मशीन के द्वारा एक्सपर्ट आइज स्पेशलिस्ट डॉक्टर ही देख सकते हैं।

क्या करें: साल में कम से कम एक बार आंखों की जांच जरूर कराएं। खासकर अगर आपके परिवार में किसी को पहले ग्लूकोमा, डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारी रही है, तो आपके लिए यह जांच और भी जरूरी हो जाती है। क्योंकि इन बीमारियों का सीधा असर आंखों की सेहत पर भी पड़ता है। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

बुक शेल्फ

रेणु खंतवाल

फिटनेस के लिए उपयोगी सूत्र

फिट इंडिया एंबेसडर और आईआरएस नरेंद्र कुमार यादव की किताब 'फिटनेस और भारत @ 2047' हाल ही में छपकर आई है। यह किताब फिटनेट के महत्व और उसकी जरूरत को बहुत व्यापक रूप में प्रस्तुत करती है। यह फिटनेस को राष्ट्र की जरूरत के रूप में देखने की सोच, नजरिया पेश करती है। किताब यह बताने का प्रयास करती है कि जब भारत 2047 में आजादी के 100 वर्ष मना रहा होगा, उस समय वह एक मजबूत राष्ट्र के रूप में तो होगा ही लेकिन क्या देश की जनता भी स्वस्थ शरीर के साथ राष्ट्र का नेतृत्व कर रही होगी?

जिस तरह लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों से हम घिरे हुए हैं, क्या एक कमजोर शरीर के साथ एक मजबूत सशक्त राष्ट्र की नींव रख सकते हैं? किताब यह संदेश देती है कि मजबूत देश के निर्माण का भागीदार बनने के लिए हमें अपने शरीर पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं बल्कि राष्ट्रीय प्राथमिकता भी होनी चाहिए।

किताब अच्छी लाइफस्टाइल पर सबसे ज्यादा जोर देती है। इसमें हेल्दी-फिट रहने के लिए कई ऐसे सूत्र दिए गए हैं, जिन्हें आसानी से अपना सकते हैं। जैसे- रोज अच्छी भरपूर नींद, संतुलित आहार युक्त थाली, रोज की वॉकिंग और प्रति सप्ताह न्यूनतम 150 मिनट मध्यम स्तर की शारीरिक गतिविधि को अनिवार्य बताया गया है। लेखक इस बात को बार-बार दोहराते हैं कि रोज का 24 मिनट का दैनिक व्यायाम, भविष्य की 240 घंटों की बीमारी को रोक सकता है। कुल मिलाकर यह किताब कई उदाहरणों और प्रसंगों के माध्यम से यह समझाने का प्रयास करती है कि आपका शरीर केवल आपका नहीं, राष्ट्र का भी है। व्यक्तियों से ही राष्ट्र बनता है और वही देश का निर्माण करते हैं। इसलिए यदि देश का हर नागरिक स्वस्थ होगा, तभी हम एक सशक्त राष्ट्र बनकर देश के विकास को स्वर्णिम अक्षरों में लिख सकते हैं। *

पुस्तक: फिटनेस और भारत @ 2047, लेखक: नरेंद्र कुमार यादव, मूल्य: 400 रुपए, प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

डाइट सजेशन

जास्मिन कौर

डाइटीशियन-एक्स, नई दिल्ली

आपके बच्चे हेल्दी, एनर्जेटिक रहें इसके लिए आप हर संभव प्रयास करते हैं। लेकिन इसके लिए सबसे जरूरी है कि आप बच्चे को रेग्युलर न्यूट्रिशस डाइट दें। कैसी हो बच्चों की डाइट, जानिए।

बच्चों को दें न्यूट्रिशस फूड रहेंगे हेल्दी-एनर्जेटिक

यह सही है कि बच्चों को पिज्जा, बर्गर, फ्रेंच फ्राइज, पोटैटो चिप्स, कैंडी जैसे स्नैक्स अपनी ओर ज्यादा आकर्षित करते हैं। ताजे फल या ताजे फलों के जूस के बजाय उन्हें पैकड जूस, फ्रूट ड्रिंक्स और सोडा लेना ज्यादा पसंद होता है। लेकिन इन सबके कारण कम उम्र में ही उनमें एनीमिया, तनाव, मोटापा, डिस्लीपेडिनिया यानी लिपिड और ब्लड कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। ऐसी समस्याओं से बचने के लिए जरूरी है कि बच्चों की डाइट का खास ध्यान रखा जाए।

दें हेल्दी मील्स: बच्चों के साथ पूरा परिवार बैठकर ऐसी हेल्दी डाइट ले, जिसमें प्रचुर मात्रा में कैलोरीज और न्यूट्रीएंट्स मौजूद हों। इससे बच्चे में हेल्दी डाइट के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। पढ़ाई, खेल और अन्य एक्टिविटीज के बीच बच्चों को शॉर्ट मील्स लेने की आदत डालें। बच्चों को हर रोज तीन बार हेल्दी खाना और दो बार हेल्दी स्नैक्स दें, ताकि उनके शरीर को प्रचुर मात्रा में कैलोरीज मिल पाएं। स्कूल जाने वाले बच्चों के लंच बॉक्स में हेल्दी मील के अलावा दो शॉर्ट मील्स भी पैक करके दें। ताकि वह स्कूल की कैंटीन से अनहेल्दी फूड न ले।

कैल्शियम युक्त डाइट जरूरी: कैल्शियम, बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसके लिए उनकी डाइट में संतरे का जूस, दूध, टोफु, केला, स्पिनेच, ब्रोकली, आलमंड चीज, कॉटेज चीज और योगर्ट शामिल करें। बींस, सोया फुड्स, टोफू, पीनट, बटर को फ्राई करने के बजाय बेक, बॉयल और ग्रिल्ड करके दें, इससे उनका बॉडी वेट कंट्रोल रहेगा।

ताजे फल-सब्जियां हों ज्यादा: बच्चों की आधी से ज्यादा खाने की प्लेट फ्रेश फलों और सब्जियों से भरी होनी चाहिए। ड्राई फ्रूट्स के बजाय उन्हें फ्रूट जूस दें। संभव हो तो ब्रोकली, स्पिनेच, रोमैन लेट्यूस और कोलार्ड ग्रीन्स जैसे डार्क ग्रीन वेजिटेबल्स के साथ-साथ गाजर, शकरकंद, विंटर स्क्वैश और रेड पेपर्स सब्जियां भी दें। ब्राउन राइस, होल व्हीट पास्ता, होल ग्रेन सीरीयल्स और ब्रेड समेत लो फैट डेयरी फूड्स भी डाइट में शामिल करें। मांसाहारी हों तो मछली, चिकन जैसे प्रोटीन युक्त फूड्स भी उनकी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

फ्राइड नहीं रोस्टेड स्नैक्स: फ्राइड के बजाय उन्हें रोस्टेड स्नैक्स खाने के लिए प्रेरित करें। टिंड फूड, टिंड पैकड फूड अवॉइड करें। उन्हें समझाएं कि जो भी खाएं फ्रेश खाएं। जंक फूड या फास्ट फूड में अधिक मात्रा में फैट (खासकर सैचुरेटेड फैट), अधिक मात्रा में नमक, चीनी मौजूद होते हैं। इससे वजन बढ़ने, हाई बीपी, कब्ज, थकान और ध्यान एकाग्र करने में परेशानी होती है। इससे बचने के लिए ऐसा भोजन उन्हें न दें। दांतों की समस्या से बच्चों को बचाने के लिए एनर्जी ड्रिंक्स के बजाय ताजे फल या फलों का ताजा जूस, नीबू का रस, लाइम या संतरा फ्लेवर चुनें।

अनसैचुरेटेड फैट: सोयाबीन, कनोला, ऑलिव और सनफ्लावर ऑयल में मौजूद अनसैचुरेटेड फैट हेल्दी होता है। रेड मीट में आयरन, एग योगर्ट, फोर्टिफाइड सीरीयल्स सहित ब्रेड को बच्चों की डाइट में शामिल कर सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक स्वस्थ डाइट का केवल सात प्रतिशत हिस्सा सेचुरेटेड फैट, देसी घी, मक्खन वगैरह से आना चाहिए। इससे ज्यादा मात्रा स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकता है। वहीं, मोनो अनसैचुरेटेड और पॉली अनसैचुरेटेड फैट का कॉम्बिनेशन बच्चों के विकास में मदद करता है इसलिए सनफ्लावर ऑयल में पका खाना खिलाना और खाने में उन्हें मूंगफली देना भी अच्छा है।

नियमित व्यायाम जरूरी: अच्छी डाइट के अलावा बच्चे हर रोज कम से कम एक घंटा शारीरिक श्रम, व्यायाम या आउटडोर गेम्स जरूर खेलें। जैसे कि दौड़, वॉकिंग, स्विमिंग आदि, इससे भी वे लगातार फिट रह सकते हैं। *

प्रस्तुति: सुषमाश्री

80वें स्वतंत्रता दिवस पर गूंजा राष्ट्रप्रेम का संदेश, कुलपति ने कहा–ज्ञान, नवाचार और युवा शक्ति से बनेगा विकसित भारत

-कृषि विश्वविद्यालय में शान से लहराया तिरंगा, एनसीसी, एनएसएस एवं पीआरडी जवानों ने दी सलामी

- कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने वैज्ञानिकों से किया आह्वान–बुंदेलखंड की कृषि समस्याओं के समाधान के लिए आधुनिक विज्ञान और नई तकनीकों को खेतों तक पहुंचाएं

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी में शनिवार को देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रभक्ति, उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर स्थित वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह सहित विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई। इसके पश्चात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत माता जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। उपरांत विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगीत की प्रस्तुति दी गई। इसके बाद उपस्थित सभी अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने एक स्वर में राष्ट्रगान गाया। एनसीसी, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों तथा पीआरडी जवानों ने अनुशासित एवं आकर्षक परेड प्रस्तुत कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी।

स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी भी है—कुलपति

अपने संबोधन में कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि देश की स्वतंत्रता, एकता और अखंडता को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक नागरिक को अपने-अपने क्षेत्र में ईमानदारी और निष्ठा के साथ योगदान देकर राष्ट्र निर्माण के संकल्प को मजबूत करना होगा। उन्होंने देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों और भारत माता के वीर सपूतों को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें उनके अद्भुत साहस, अथक संघर्ष और मातृभूमि के प्रति अतुलनीय समर्पण का स्मरण कराता है। उन्होंने कहा कि भारत को स्वतंत्रता बड़े त्याग, संघर्ष और बलिदान के बाद मिली है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में दांडी मार्च, नमक सत्याग्रह सहित अनेक आंदोलनों ने स्वतंत्रता संग्राम को जन-जन का आंदोलन बनाया। आज की पीढ़ी का दायित्व है कि वह स्वतंत्रता के मूल्यों को समझे और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए।

युवा शक्ति विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत—डॉ. अशोक कुमार सिंह

कुलपति ने कहा कि 'विकसित भारत ञ्च2047' के संकल्प में युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत और परिवर्तन की वाहक है। युवाओं को शिक्षा, कौशल, उद्यमिता, तकनीकी नवाचार, नेतृत्व और नागरिक सहभागिता से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युवा केवल रोजगार पाने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनें और अपने ज्ञान एवं कौशल के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को नई गति दें। उन्होंने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई जैसी वीरांगना ने युवा अवस्था में मातृभूमि की रक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय दिया। शहीद भगत सिंह और खुदीराम बोस जैसे युवाओं ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। स्वामी विवेकानंद ने भी युवाओं में आत्मविश्वास, राष्ट्रभाव और सेवा की चेतना जगाने का कार्य किया। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि विश्वविद्यालय में प्राप्त शिक्षा को समाज और राष्ट्र की सेवा से जोड़ें।

कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार को गांव-गांव तक पहुंचाना प्राथमिकता

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध और प्रसार के माध्यम से किसानों और ग्रामीण समाज की समस्याओं के समाधान की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। वैज्ञानिकों को बुंदेलखंड की स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप नई तकनीकें विकसित कर उन्हें किसानों तक पहुंचाना होगा। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि कृषि क्षेत्र में नया ज्ञान, नया विज्ञान और आधुनिक तकनीक किसानों तक पहुंचाई जाए। युवाओं को ज्ञान के साथ-साथ कौशल से जोड़ा जाए, ताकि विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने में सक्षम बनें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), आधुनिक तकनीक और निरंतर कौशल उन्नयन का ज्ञान आवश्यक है।

विश्वविद्यालय ने विकसित कीं 12 नवीन कृषि तकनीकें

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा बुंदेलखंड की कृषि एवं ग्रामीण परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए 12 नवीन तकनीकों एवं प्रौद्योगिकीय मॉडलों को विकसित एवं बढ़ावा दिया जा रहा है। इन तकनीकों के विकास एवं शोध कार्यों में विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ. एसके चतुर्वेदी के मार्गदर्शन एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का शोध तंत्र क्षेत्रीय समस्याओं की पहचान कर उनके व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक समाधान विकसित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

इनमें प्रमुख रूप से—

तैयार जामुन ऐपेटाइजर बनाने की विधि।

बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए ड्रैगन फ्रूट एवं स्ट्रॉबेरी की अंतरफसल खेती का मॉडल।

बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए नीम-दलहन आधारित कृषि वानिकी मॉडल।

औद्योगिक कृषि वानिकी के अंतर्गत अदरक, हल्दी एवं अरबी के उत्पादन की उन्नत प्रौद्योगिकियां।

बुंदेलखंड क्षेत्र में अदरक के प्रकंद सड़न रोग का प्रबंधन।

हल्की मिट्टी में नमी संरक्षण एवं वर्षाजल संचयन के लिए मक्का और ज्वार की मेड़ एवं नाली प्रणाली।

सतत् उत्पादन के लिए विविधीकृत फसल प्रणालियों का विकास।

फूलों, पत्तियों एवं पौधों के विभिन्न भागों से प्राकृतिक रंगों द्वारा हर्बल गुलाल तैयार करने की तकनीक।

अर्ध-शुष्क बुंदेलखंड में भूजल क्षमता मानचित्रण के लिए मशीन लर्निंग आधारित मॉडल।

जियोटैगिंग के माध्यम से डीजीपीएस-सक्षम वृक्ष निगरानी प्रणाली।

वर्षभर फूलों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आंतरायिक रोपण एवं पुष्प फसल मॉडल।

बसपा के तत्वावधान में वीरांगना अवंती बाई लोधी के जन्मोत्सव पर संगोष्ठी आयोजित

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। वीरांगना अवंती बाई लोधी जी के जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर समस्त कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने बिहारीप चौराहे पर स्थित उनकी मूर्ति पर जाकर बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता लक्ष्मी नारायण राजपूत व चंद्र त्रिलोक राजपूत के नेतृत्व में माल्यार्पण किया। एवं उनको श्रद्धांजलि अर्पित की इस मौके पर कैंप कार्यालय किसान बाजार में विचार संगोष्ठी का कार्यक्रम किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बी डी फुले ने की। इस मौके पर मुख्य मंडल संयोजक कैलाश पाल, मुख्य मंडल संयोजक जयपाल सिंह अहिरवार, मुख्य मंडल प्रभारी मुन्ना पाली,मंडल प्रभारी वाहिद हुसैन, पूर्व जिला अध्यक्ष मदन लाल अहिरवार, पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्र दत्त गौतम राजू, संजय बाजपेई, डॉक्टर प्रवीण शशि, आदि ने वीरांगना महारानी अवंती बाई लोधी जी के जीवन पर प्रकाश डाला और उनके विचारों पर चलने का संकल्प लिया। बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष ठाकुर विपिन सिंह ने किया। आभार पूर्व महानगर अध्यक्ष नफीस शानू भाई ने सभी का व्यक्त किया। इस मौके पर विधानसभा प्रभारी बबीना एडवोकेट रिंकू अहिरवार, एडवोकेट आशीष कुमार, नितिन रैकवार, विकास गौतम भोजला, अजय पलिंदा, सियाराम ठेकेदार, राहुल फुले, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वंदे मातरम् के सम्मान में भाजपा की हुंकार !

-राष्ट्रगीत का सम्मान,हमारा संकल्प, हमारी पहचान- सुधीर सिंह

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के कथित अपमान के विरोध में भाजपा झांसी महानगर द्वारा वंदे मातरम् गायन एवं विशाल रैली के साथ कांग्रेस पार्टी का विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस पार्टी द्वारा वंदे मातरम के अपमान के विरोध में भारतीय जनता पार्टी झांसी महानगर ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला भाजपा अध्यक्ष सुधीर सिंह,रामतीर्थ सिंघल एम एल सी, रमा निरंजन एम एल सी,पवन गौतम जिला पंचायत अध्यक्ष एवं जयदेव पुरोहित ,पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष सोनी ,संजय दुबे , जमुना कुशवाहा , विनोद नायक सुनीता साहूभी विशेष रूप से मौजूद रहे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय से विरोध मार्च शुरू किया। मार्च मैथिली शरण पार्क चौक पहुंचा, जहां कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा वंदेमातरम का अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान,और सोनिया गांधी होश मै आओ जैसे नारे लगाए गए ,अपना विरोध दर्ज करवाया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने कहा कि वंदे मातरम देश की राष्ट्रीय भावना और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा महत्वपूर्ण गीत है। वंदेमातरम का सामूहिक गायन तिरंगे के नीचे किया गया ,उन्होंने इसके कथित अपमान पर विरोध जताते हुए कहा कि राष्ट्र और राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करना सभी की जिम्मेदारी है। प्रदर्शन में महामंत्री विकास कुशवाहा ,अमित साहू पूर्व जिला महामंत्री,रानू देवलिया , मोहित पोरवाल , मीडिया सेहत प्रभारी शैलेंद्र परमार, प्रणव अग्रवाल,शैलेंद्र प्रताप सिंह, योगी महाराज पालर,,रितिका तिवारी,नरेन्द्र नामदेव,अवतार खटीक, प्रियंका साहू,कविता शर्मा ,सौरभ बाजपेयी, पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं भारी संख्या में समर्पित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रमिकों की मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ का झांसी कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन

-प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री, केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी । भारतीय मजदूर संघ की 161वीं केंद्रीय कार्य समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन में आज देशभर के जिला मुख्यालयों पर श्रमिकों की ज्वलंत समस्याओं एवं मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया। इसी क्रम में भारतीय मजदूर संघ जिला झांसी द्वारा झांसी कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री, माननीय वित्त मंत्री, माननीय केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया।

प्रदर्शन का नेतृत्व भारतीय मजदूर संघ झांसी के विभाग प्रमुख चंद्रकांत चतुर्वेदी ने किया। उन्होंने कहा कि 'देश के निर्माण में श्रमिकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है, लेकिन आज श्रमिक महंगाई, असुरक्षित रोजगार, न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा और पेंशन जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। सरकार को श्रमिक संगठनों के साथ सार्थक संवाद कर इन समस्याओं का न्यायपूर्ण समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संविदा, आउटसोर्सिंग एवं ठेका प्रथा के बढ़ते विस्तार से श्रमिकों का शोषण बढ़ रहा है। समान कार्य के लिए समान वेतन तथा श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से ईपीएस-95 के पेंशनभोगियों की न्यूनतम पेंशन 1,000 से बढ़ाकर 7,500 प्रतिमाह करने तथा उसे महंगाई भत्ते से जोड़ने, पुरानी पेंशन योजना लागू करने, न्यूनतम वेतन को वास्तविक जीवन-यापन योग्य बनाने तथा महंगाई भत्ता एवं अन्य भत्तों में आवश्यक वृद्धि करने की मांग की गई।इसके साथ ही संविदा, आउटसोर्सिंग एवं ठेका प्रथा समाप्त करने, समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करने, श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन की गारंटी देने तथा कार्यस्थलों पर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई।ज्ञापन में आशा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, प्लेटफॉर्म वर्कर्स सहित विभिन्न स्कीम वर्कर्स के मानदेय एवं न्यूनतम वेतन में पर्याप्त वृद्धि कर उन्हें सम्मानजनक सामाजिक सुरक्षा एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी की गई। भारतीय मजदूर संघ ने भारी मशीनरी उद्योगों तथा बंद पड़ी सूती मिलों के पुनर्गठन एवं पुनर्संचालन, 23 नेशनल टेक्सटाइल मिलों के श्रमिकों एवं कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित समस्याओं के समाधान तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई।

रेल, बैंक, बीमा आदि सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों के निजीकरण पर रोक लगाने, बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने तथा जीवन बीमा क्षेत्र के डेवलपमेंट ऑफिसरों की नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि किसी भी व्यवस्था या नीतिगत परिवर्तन के नाम पर कर्मचारियों के वेतन में अनुचित कटौती न की जाए। भारतीय मजदूर संघ ने बेरोजगारी पर प्रभावी रोक लगाने, युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा श्रम कानूनों में श्रमिक विरोधी प्रावधानों को हटाने की मांग की। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार से सभी श्रमिक संगठनों के साथ नियमित एवं सार्थक संवाद स्थापित कर समस्याओं का न्यायसंगत समाधान निकालने का आग्रह किया गया। प्रदर्शन में जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पुरोहित, परिवहन मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री रमाकांत सचान, पूर्व विभाग प्रमुख अवधेश सक्सेना, उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ के जोनल संगठन मंत्री अनिल कुमार शुक्ला, मंडल संगठन मंत्री राजेश ठकुरानी, मंडल मंत्री हरिमोहन शर्मा, सुनील मिश्रा, हरचरण सविता, विजय नारायण शर्मा, बीएचईएल श्रमिक संघ के अध्यक्ष ओ. पी. शुक्ला, अमित कुशवाहा, मुकेश मिश्रा, सड़क परिवहन महासंघ की क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय मंत्री कुमारी ज्योति मिश्रा, पी.पी. मिश्रा, के.पी. पांडे तथा वरिष्ठ नागरिक परिषद के प्रदेश महामंत्री संत प्रकाश वर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।प्रदर्शन के दौरान श्रमिक हितों के समर्थन में जोरदार नारे लगाए गए और सरकार से मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा व्यक्त की गई। भारतीय मजदूर संघ ने स्पष्ट किया कि श्रमिक हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

बसपा की मंडल स्तरीय बैठक सम्पन्न

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में पार्टी की मंडल स्तरीय बैठक होटल चंदा में संपन्न की गई। बैठक के मुख्य अतिथि मुख्य मंडल प्रभारी झांसी मंडल/चित्रकूट मंडल (बुंदेलखंड) प्रभारी सम्मानित विनोद बांगड़ी जी व दूसरे प्रभारी मुख्य मंडल प्रभारी झांसी मंडल/चित्रकूट मंडल (बुंदेलखंड) प्रभारी रहे । विशिष्ट अतिथि मुख्य मंडल प्रभारी झांसी मंडल सम्मानित रामबाबू चिरगईया जी व मुख्य मंडल प्रभारी मानवेंद्र निरंजन व मुख्य मंडल संयोजक कैलाश पाल मुख्य मंडल संयोजक जयपाल सिंह अहिरवार, मुख्य मंडल प्रभारी मुन्ना पाली मुख्य मंडल प्रभारी धीरेंद्र चौधरी रहे।

बैठक की अध्यक्षता जनपद झांसी जिला अध्यक्ष बी डी फूले जनपद जालौन जिला अध्यक्ष बृजेश जाटव जनपद ललितपुर जिला अध्यक्ष जानकी प्रसाद बौद्ध ने की। मुख्य अतिथि मुख्य मंडल प्रभारी विनोद बांगड़ी जी ने अपने संबोधन में कहा अगर हमें बेरोजगारी, महंगाई, किसानो, की समस्या नौजवानों व व्यापारियों व युवाओं, की समस्या से निजात पाना है तो बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनानी होगी। दूसरे मुख्य अतिथि मुख्य मंडल प्रभारी लालाराम अहिरवार जी ने अपने संबोधन में कहा कि बहुजन समाज पार्टी सर्व समाज की पार्टी है ।सर्व समाज का मान, सम्मान, स्वाभिमान, अगर सुरक्षित किसी पार्टी में रहता है । तो सिर्फ बहुजन समाज पार्टी के अलावा दूसरी कोई पार्टी में नहीं रहता है। अगर सर्व समाज को सम्मान पाना है तो आगामी 2027 में बहुजन समाज पार्टी की सरकार को लाना होगा। विशिष्ट अतिथि मुख्य मंडल प्रभारी रामबाबू चिरगईया ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में आम जनमानस परेशान है। सर्व समाज के लोग बहुजन समाज पार्टी की ओर आशा भरी निगाह से देख रहे हैं। बहन जी के शासन को याद कर रहे हैं। मुख्य मंडल संयोजक कैलाश पाल ने अपनी संबोधन में कहा पिछड़े समाज का हित बहुजन समाज पार्टी में ही सुरक्षित है। इस मौके पर मुख्य मंडल संयोजक जयपाल सिंह अहिरवार मुख्य मंडल प्रभारी मुन्ना पाली, मुख्य मंडल प्रभारी धीरेंद्र चौधरी, मंडल प्रभारी जगजीवन अहिरवार, मंडल प्रभारी शैलेंद्र शिरोमणि, मंडल प्रभारी दीपक टीकरा, मंडल प्रभारी राम सिंह कुशवाहा, मंडल प्रभारी बृजभूषण कुशवाहा, मंडल संयोजक अनीश राईन,मंडल प्रभारी संतोष राज वर्मा,आदि ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। बैठक का संचालन मंडल प्रभारी वाहिद हुसैन ने किया। आभार पूर्व लोकसभा प्रभारी एडवोकेट राकेश कुशवाहा (बरुआ) ने सभी का व्यक्त किया।

इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष ठाकुर विपिन सिंह, पूर्व मंडल संयोजक ओमप्रकाश सविता, जिला संयोजक राकेश कुशवाहा ,गगन बिहारी सोजना, अमित भारती, बीके गौतम, पूर्व जिला अध्यक्ष मदन लाल अहिरवार, पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्र दत्त गौतम राजू, लक्ष्मी नारायण राजपूत, रवि राजपूत, जिला सचिव बालकिशन प्रजापति, विधानसभा प्रभारी मेवा लाल चौधरी,रिंकू अहिरवार एडवोकेट, धर्मेंद्र अहिरवार ललितपुर, केहर सिंह ललितपुर, प्रेम नारायण पाल, एडवोकेट संतोष पाल, पूर्व जालौन जिला अध्यक्ष अतर सिंह पाल, बृजेश अहिरवार ललितपुर, विवेक अहिरवार, जयकुमार, शक्तिदीन श्रीवास, संतराम भटपुरा, अनिल कुमार फौजी, झांसी विधानसभा अध्यक्ष चंद्रशेखर ,बबीना विधानसभा अध्यक्ष छोटेलाल अहिरवार, मऊरानीपुर विधानसभा अध्यक्ष धीरेंद्र चौधरी, गरौठा विधानसभा अध्यक्ष अनिल सरदार, विधानसभा अध्यक्ष कालपी मोनू पाल, विधानसभा अध्यक्ष महरौनी रामबक्स पाल हरगोविंद अहिरवार बबीना, शंकर करौसिया, दीपू गौतम एरच, डॉ राजेश पटेल, टिंकू पटेल मुखिया, घनश्याम कुशवाहा, अनिल सविता, गुलाब बाबूजी उरई आदि उपस्थित रहे।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718